News सिटी चीफ

वर्ष-15, अंक-230
पृष्ठ-8 मूल्य 2 रूपया

सुविचार

जिस-जिस पर यह जग हंसा है ,उसी ने इतिहास रचा है।

सिटी चीफ

CITYCHIEFSENDMENEWS@GMAIL.COM

इंदौर, सोमवार 25 नवम्बर 2024

सम्पूर्ण भारत मे चर्चित हिन्दी अखबार

दही-मिश्री खाकर विदेश यात्रा के लिए रवाना हुए सीएम

30 नवंबर तक लंदन और जर्मनी में निवेशकों से करेंगे बातचीत

भोपाल। अगले वर्ष फरवरी में भोपाल में प्रस्तावित ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट में निवेशकों को आमंत्रित करने और निवेश की संभावनाएं तलाशने के लिए मुख्यमंत्री डा. मोहन यादव रविवार 24 नवंबर से 30 नवंबर तक छह दिवसीय विदेश दौरे पर जाएंगे। उनके साथ उद्योग और सूचना प्रौद्योगिकी विभाग के अधिकारी भी रहेंगे। ब्रिटेन और जर्मनी की यात्रा पर जाने से पहले मुख्यमंत्री ने शनिवार को भोपाल में सीएम हाउस में उद्योगपतियों और निवेशकों से चर्चा की। इस दौरान उद्योगपतियों ने सीएम को दही-मिश्री खिलाकर मुंह मीठा कराया और उन्हें उनके विदेश दौरे के लिए शुभकामनाएं दीं। सीएम के दौरे की शुरूआत लंदन से होगी। यहां से 27 नवंबर को जर्मनी पहुंचकर निवेशकों से चर्चा करेंगे। विदेश यात्रा के दौरान तीन दिन यूनाइटेड किंगडम (यूके) के लंदन, बर्मिंघम और दो दिन जर्मनी के म्यूनिख और स्टटगार्ट शहर का दौरा करेंगे। इन स्थानों पर वह औद्योगिक सहयोग के प्रतिनिधियों और उद्योगपतियों से चर्चा करेंगे।

25 को वेस्टमिंस्टर में ब्रिटिश संसद का दौरा मुख्यमंत्री 25 नवंबर को वेस्टमिंस्टर स्थित ब्रिटिश संसद, किंग्स क्रास और पुनर्विकास स्थलों का दौरा करेंगे। लंदन में फ्रेंड्स आफ मध्य प्रदेश (प्रवासी भारतीयों) द्वारा आयोजित रात्रि-भोज कार्यक्रम में शामिल होंगे। 26 नवंबर को उद्योगपतियों एवं भारत के उच्चायुक्त विक्रम के दोरईस्वामी से संवाद करेंगे। इन्वेस्टमेंट अपार्चुनिटीज इन मध्य प्रदेश, इंटरैक्टिव सेशन में लगभग 120 प्रतिभागियों से चर्चा करेंगे। मुख्यमंत्री राउंट टेबल मीटिंग्स में इलेक्ट्रिक व्हीकल एवं आटो, एजुकेशन, रिन्युएबल एनर्जी और फूड प्रोसेसिंग सेक्टर्स में निवेश पर चर्चा करेंगे। उद्योगतियों के साथ वन-टू-वन मीटिंग भी करेंगे। 27 नवंबर को वारविक यूनिवर्सिटी का भ्रमण करने के बाद वारविक मैन्युफैक्चरिंग ग्रुप के डीन, फैकल्टी मेंबर्स और शोधार्थियों से संवाद करेंगे। इसके म्यूनिख पहुंचेंगे।

दो दिन जर्मनी में तलाशेंगे निवेश की संभावनाएं- मुख्यमंत्री 28 और 29 नवंबर को जर्मनी प्रवास पर रहेंगे। म्यूनिख और स्टटगार्ट में कई महत्वपूर्ण कार्यक्रमों में शामिल होंगे। पहली सुबह बवेरिया राज्य सरकार के नेताओं और म्यूनिख में कौंसुल जनरल आफ इंडिया से चर्चा करेंगे। एसएफसी एनर्जी का भ्रमण करेंगे। बेयरलोचर ग्रुप द्वारा आयोजित भोज में शामिल होंगे। एक सत्र में काउंसिल जनरल आफ इंडिया, सीआईआई और इंवेस्ट इंडिया, इंडो जर्मन चैंबर आफ कामर्स के प्रतिनिधि भी मौजूद रहेंगे। फ्रेंड्स आफ एमपी के प्रतिनिधियों के साथ बैठक करेंगे, रात्रि भोज काउंसिल जनरल आफ इंडिया द्वारा आयोजित रात्रि भोज में शामिल होंगे। 29 नवंबर को स्टटगार्ट स्थित लेप्प ग्रुप की फैक्ट्री का दौरा करेंगे और अधिकारियों से निवेश संबंधी चर्चा करेंगे। उद्योग प्रतिनिधियों से राउंडटेबल मीटिंग होगी, जिसमें लगभग 20 प्रतिनिधि शामिल होंगे। स्टटगार्ट के स्टेट म्यूजियम आफ नेचुरल हिस्ट्री का भ्रमण भी करेंगे। इसके बाद मुख्यमंत्री फ्रैंकफर्ट के लिए रवाना होंगे। फ्रैंकफर्ट से नई दिल्ली के लिए रवाना होंगे।

मोहन भागवत ने भारतीय संस्कृति के उत्थान पर दिया जोर

संघ प्रमुख बोले- हमें भारत के गौरव को फिर से पेश करना होगा

हैदराबाद। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रमुख मोहन भागवत ने भारतीय संस्कृति के उत्थान पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि भारत के भूले हुए गौरव को फिर से पेश किया जाना चाहिए। हैदराबाद में लोकमंथन 2024 में मोहन भागवत ने देश के विज्ञान के महत्व पर बात की। इस दौरान उन्होंने आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस के उपयोग में नैतिकता पर जोर देने वाले वैज्ञानिकों का भी उदाहरण दिया। मोहन भागवत ने कहा कि भारत की मूल्य प्रणाली व्यक्ति की बुद्धिमता पर जोर देती है। मुद्दों के प्रति भारत के दृष्टिकोण में तर्क और बुद्धि है। ऐसे में देश को समस्याओं के लिए अन्य दृष्टिकोणों का पालन करने की जरूरत नहीं है। भारत विदेशों से अच्छी चीजें ले सकता है लेकिन इसकी अपनी आत्मा और संरचना होनी चाहिए। भागवत ने कहा कि हमें सनातन धर्म और संस्कृति को समकालीन रूप देने के बारे में सोचना होगा। इसके लिए हमें भारत के भूले हुए गौरव को फिर से पेश करना होगा।

विविधता में भी एकता का समावेश- भागवत ने कहा कि विविधता में भी एकता का समावेश है। एकता है तो सब अपना है। सब सुखी होंगे तो हम भी खुश होंगे। उन्होंने कहा कि एक समय में देश में सभी संसाधनों पर समाज का स्वामित्व था, लेकिन फिर विदेश शासक आए और हमारे संसाधनों पर कब्जा कर लिया। इसके चलते हम ऐसी स्थिति में पहुंच गए। हम इसलिए ऐसे हुए क्योंकि हम अधर्मपति हो गए थे। हम अपना स्वाभिमान गवां बैठे। अपने जीवन का लक्ष्य भूल गए। मगर अब हमको अपने धर्म को अपनाने की जरूरत है। इसके लिए हमको संस्कृति को सहेजना होगा। कार्यक्रम में केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण, केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत, केंद्रीय कोयला एवं खान मंत्री जी किशन रेड्डी मौजूद रहे।

ऋषभ पंत आईपीएल इतिहास के सबसे महंगे खिलाड़ी

लखनऊ सुपर जायंट्स ने दिल्ली कैपिटल के पूर्व कप्तान को 27 करोड़ में खरीदा

जेद्दाह। सऊदी अरब के जेद्दाह में चल रहे मेगा ऑक्शन में 2 इंडियन क्रिकेटर्स आईपीएल इतिहास के सबसे बड़े खिलाड़ी बन गए हैं। पहले नंबर पर हैं ऋषभ पंत जो अब तक के सबसे महंगे क्रिकेटर हैं। दिल्ली कैपिटल के पूर्व कप्तान और विकेटकीपर पंत को लखनऊ सुपर जायंट्स ने 27 करोड़ रुपए में खरीदा। दूसरे नंबर पर हैं पिछले सीजन में कोलकाता को चैंपियन बनाने वाले कप्तान और बल्लेबाज श्रेयस अय्यर। श्रेयस को पंजाब किंग्स ने 26.75 करोड़ की बोली लगाकर खरीदा। चौंकाने वाली डील रही वेंकटेश अय्यर की, जिनके लिए कोलकाता नाइट राइडर्स और बेंगलुरु रॉयल चैलेंजर्स के बीच 23.50 करोड़ तक बोली लगी। कोलकाता ने वेंकटेश को 23.75 करोड़ में खरीदा। वेंकटेशन ने पिछले आईपीएल फाइनल में हैदराबाद के खिलाफ फिफ्टी लगाई थी।

आरसीबी और केकेआर के बीच राहुल को लेने के लिए होड़- मार्की खिलाड़ी के तौर पर केएल राहुल दो करोड़ रुपये के आधार मूल्य में नीलामी में उतरे। उनके लिए गत चैंपियन केकेआर ने बोली लगाई और आरसीबी भी लड़ाई में कूदा। आरसीबी और केकेआर के बीच राहुल को लेने के लिए होड़ देखने को मिली। दिल्ली ने भी राहुल के लिए रुचि दिखाई और केकेआर के साथ बोली में शामिल हुई। दिल्ली ने राहुल के लिए 11.50 करोड़ रुपये की बोली लगाई, लेकिन केकेआर भी पीछे हटने को तैयार नहीं था।

आखिरकार केकेआर ने खींच लिए हाथ- दिल्ली ने राहुल के लिए 12 करोड़ रुपये की बोली लगाई, लेकिन केकेआर ने हाथ खींच लिए। इस बीच, सीएसके बोली में कूदी और लगातार राहुल के लिए बोली लगाती रही। दिल्ली ने 14 करोड़ रुपये की बोली लगाई और लखनऊ ने राहुल के लिए आरटीएम का इस्तेमाल नहीं किया। राहुल के बिकने के साथ ही नीलामी में मार्की खिलाड़ी पूरे हो गए। अब तक कुल 12 खिलाड़ी बिके जा चुके हैं।

चहल बोले- सोचा नहीं था इतने पैसे मिलेंगे

युजवेंद्र चहल आईपीएल इतिहास के सबसे महंगे स्पिनर बन चुके हैं। पंजाब किंग्स की टीम ने उन्हें 18 करोड़ रुपए में अपने साथ जोड़ लिया। आईपीएल ऑक्शन में मिली तगड़ी रकम को लेकर चहल ने अपनी प्रतिक्रिया दी है। चहल ने कहाकि उन्होंने उम्मीद नहीं की थी कि उन पर इतनी तगड़ी बोली लगेगी। हालांकि उन्होंने यह भी कहाकि वह यह कीमत डिजर्व करते हैं। जियो सिनेमा से बात करते हुए चहल ने कहा कि उन्हें लग रहा था कि उन्हें 12-13 करोड़ रुपए तक मिल जाएंगे। लेकिन अब इतने पैसे मिले हैं तो अच्छा लग रहा है। यह एक स्पेशल मोमेंट है। चहल ने यह भी कहाकि उनके बहुत सारे दोस्तों को लग रहा था कि वह पंजाब की टीम में लिए जाएंगे। आखिर यह सही हो गया। इससे पहले चहल ने एक्स पर टोटका भी किया था।

आर्मेनिया की ताकत बढाएगा भारत का पिनाका रॉकेट सिस्टम

नई दिल्ली। भारत के पिनाका रॉकेट सिस्टम में दुनिया के कई देश अपनी रुचि दिखा रहे हैं। इन सबके बीच दो साल पहले इस सिस्टम के लिए भारत से डील करने वाले अर्मेनिया को इसकी आपूर्ति शुरू कर दी गई है। पिनाका रॉकेट सिस्टम के साथ भारत, अर्मेनिया को आकाश एयर डिफेन्स सिस्टम की भी आपूर्ति कर रहा है। रक्षा सूत्रों के मुताबिक पिनाका मल्टी बैरल रॉकेट लॉन्चर की पहली खेप अर्मेनिया पहुंच चुकी है। भारत की स्वदेशी तकनीक के आधार पर बना पिनाका रॉकेट लॉन्टर अत्याधिक घातक हथियार प्रणाली है। इसके रॉकेट 80 किलोमीटर से अधिक दूरी तक मार करने में सक्षम हैं। भारत के पिनाका सिस्टम में अर्मेनिया ही नहीं बल्कि दक्षिण-पूर्व एशिया के देशों और यूरोप के देशों ने भी अपनी दिलचस्पी दिखाई है। भारत के डीआरडीओ ने हाल ही में इसके कई और वेरियंट्स पर भी सफल परीक्षण किया है। भारत के इस दमदार रॉकेट सिस्टम का निर्माण नागपुर की सोलर इंडस्ट्रीड की इकॉनोमिक एक्सप्लोसिल लिमिटेड और सरकारी स्वामित्व वाली इंडिया लिमिटेड करती है।

निज्जर हत्याकांड के आरोपियों पर सीधे सुप्रीम कोर्ट में केस चलाएगा कनाडा

ओटावा। खालिस्तानी आतंकवादी हरदीप सिंह निज्जर की हत्या के मामले में कनाडा सरकार ने चार भारतीय नागरिकों के खिलाफ सीधा अभियोग दायर करने का फैसला लिया है। इस फैसले के कारण सुरे प्रांतीय अदालत में चल रही प्रारंभिक सुनवाई को रोक दिया गया है, और अब यह मामला सीधे सुप्रीम कोर्ट में सुना जाएगा। सीधा अभियोग दायर होने का मतलब है कि मामले में प्रारंभिक सुनवाई नहीं होगी और मामला सीधे ट्रायल के लिए सुप्रीम कोर्ट में जाएगा। इस प्रक्रिया में अभियुक्तों के वकीलों को अभियोजन पक्ष के गवाहों से जिरह करने और मामले के खिलाफ साक्ष्य एकत्र करने का मौका नहीं मिलता। सीधे शब्दों में कहें तो निज्जर की कथित हत्या के आरोपियों के वकीलों को सरकारी गवाहों से जिरह करने का मौका नहीं मिल पाएगा। कनाडा के आपराधिक संहिता के तहत, सीधा अभियोग एक विशेष अधिकार है जिसे बहुत कम मामलों में लागू किया जाता है। यह तब इस्तेमाल में लाया जाता है जब जनता के हित में ऐसा करना आवश्यक हो, जैसे कि गवाहों, उनके परिवारों, या मुखबिरों की सुरक्षा को लेकर चिंताएं हों।

संसद का शीतकालीन सत्र: पीएम मोदी बोले-

जिन्हें जनता ने बार-बार रोका, ऐसे मुट्ठीभर सांसद हंगामा करते हैं

18वीं लोकसभा का पहला शीतकालीन सत्र शुरू आज, सोमवार (25 नवंबर) से शुरू होगा। मौजूदा लोकसभा का यह तीसरा सत्र 20 दिसंबर तक चलेगा। पीएम मोदी ने सत्र शुरू होने से पहले मीडिया को संबोधित किया। कुछ विपक्ष बेहद जिम्मेदारी के साथ व्यवहार करते रहे हैं। उनकी इच्छा रहती है कि सदन में सुचारू रूप से काम हो। लेकिन, बार बार जनता ने जिन्हें नकार दिया है वह अपने साथियों और लोकतंत्र की भावनाओं को अनादर करते हैं। ऐसे मुट्ठीभर सांसद हंगामा करते हैं। पीएम मोदी ने कहा कि मैं बार-बार विपक्ष के साथियों से अनुरोध करता रहा हूं सदन का समय उपयोगी साबित हो। मैं आशा करता हूं कि नए साथियों को मौका मिले। सभी पार्टियों में नए सदस्य हैं। उनके पास नए विचार हैं। भारत को आगे ले जाने के लिए मन में नई नई कल्पनाएं हैं। आज विश्व भारत को बेहद आशा की नजर से देख रहा है।हम जनता जनार्दन की भावनाओं का सम्मान करें पीएम मोदी ने कहा कहा कि ये 2024 के चुनाव के बाद देश की जनता को अपने अपने राज्यों में कुछ स्थानों पर अपनी भावनाएं प्रकट करने का मौका मिला है। उसमें भी 2024 नतीजों को राज्यों ने और ज्यादा ताकत दी है। समर्थन का ग्राफ बढ़ा है। लोकतंत्र की यह शर्त है कि हम जनता जनार्दन की भावनाओं का आदर करें। उनकी आशाओं और अपेक्षाओं पर खड़ा उतरने के लिए दिन रात मेहनत करें। इस सत्र में कुल 16 विधेयक पेश किए जाएंगे। इनमें मुस्लिम वक्फ (संशोधन) विधेयक और आपदा प्रबंधन संशोधन विधेयक जैसे अहम बिल शामिल हैं। वन नेशन वन इलेक्शन विधेयक को लेकर भी अटकलें लगाई जा रही हैं। इससे पहले, सभी पार्टियों के नेताओं ने चर्चा के लिए तैयार होने का बयान दिया।

राज्यपाल से मिले हेमंत सोरेन, दोबारा सरकार बनाने का पेश किया दावा

28 नवंबर को होगा शपथ ग्रहण

रांची। झारखंड विधानसभा चुनाव में भारी बहुमत से जीत हासिल करने के बाद सीएम और झामुमो प्रमुख हेमंत सोरेन ने नई सरकार के गठन की तैयारी शुरू कर दी है। वह रविवार को झारखंड के राज्यपाल संतोष गंगवार से मिलने पहुंचे। राज्यपाल संतोष गंगवार से मुलाकात के बाद हेमंत सोरेन ने सरकार बनाने का दावा पेश किया। सीएम हेमंत सोरेन ने अपना इस्तीफा राज्यपाल को सौंपा। इसके साथ ही नई सरकार बनाने के लिए इंडिया गठबंधन के विधायकों का समर्थन पत्र भी सौंपा। झारखंड के सीएम और जेएमएम के कार्यकारी अध्यक्ष हेमंत सोरेन ने कहा कि 28 नवंबर को नई सरकार का शपथ ग्रहण समारोह होगा। हमने इंडिया गठबंधन सरकार बनाने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। हमने राज्यपाल के सामने सरकार बनाने का दावा पेश किया है। मैंने उन्हें अपना इस्तीफा भी सौंप दिया है.। कांग्रेस और आरजेडी प्रभारी भी मेरे साथ मौजूद रहे। उन्होंने मुझे कार्यवाहक मुख्यमंत्री की जिम्मेदारी सौंपी है। इससे पहले इंडिया गठबंधन के विधायकों की बैठक हुई। इसमें हेमंत सोरेन को सदन का नेता चुना गया। कांग्रेस नेता सुबोधकांत सहाय ने कहा कि सभी पार्टी कार्यकताओं और नेताओं ने अपना समर्थन दिया और हेमंत सोरेन को झारखंड विधानसभा सदन का नेता चुना गया। शपथ ग्रहण की संभावित तिथि 28 नवंबर है।

'गंभीर' से निकलकर 'बेहद खराब' हुई दिल्ली की हवा

अब भी लोगों को सांस लेने में परेशानी और आंखों में जलन, तीन दिन रहेंगे राजधानी में भारी

नई दिल्ली। राजधानी में हवा की दिशा व गति बदलने से रविवार को वायु गुणवत्ता एक बार फिर गंभीर श्रेणी से निकलकर बेहद खराब श्रेणी में पहुंच गई है। इससे लोगों को प्रदूषण से मामूली राहत मिली है। हालांकि, अब भी लोगों को सांस लेने में परेशानी और आंखों में जलन महसूस हो रही है। गुनगुनी धूप निकलने से धूल और धुएं की मोटी परत टूट गई। इस दौरान केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 318 दर्ज किया गया। इसमें शनिवार की तुलना में 94 सूचकांक की गिरावट रही। यह 22 दिन के बाद एक्यूआई इतने नीचे रिकॉर्ड किया गया। इससे पहले 2 नवंबर को एक्यूआई 316 दर्ज किया गया था। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के मुताबिक सोमवार से अगले तीन दिनों तक कमोबेश यही स्थिति रहने की आशंका है। ऐसे में वायु गुणवत्ता सूचकांक 300 के पार ही बनी रहेगी। रात के समय कुहासा छाया रहेगा। साथ ही, आसमान में स्मॉग छाया रहेगा। मौसम विशेषज्ञों का कहना है कि प्रदूषकों के फैलाव के लिए मौसम संबंधी स्थितियां बेहद प्रतिकूल होने से स्थिति बिगड़ रही है। भारतीय उष्णदेशीय मौसम विज्ञान संस्थान (आईआईटीएम) मिक्सिंग डेप्थ 1800 मीटर रही। वहीं, वेंटिलेशन इंडेक्स 11000 घनमीटर प्रति सेकंड रही। 24 घंटे के भीतर वेंटिलेशन इंडेक्स 9500 घनमीटर प्रति सेकंड रहने का अनुमान है। डिसिजन स्पोर्ट सिस्टम (डीएसएस) के मुताबिक हवा में ट्रांसपोर्ट से होने वाले प्रदूषण की हिस्सेदारी 18.155 फीसदी, कूड़ा जलने से होने वाले प्रदूषण की हिस्सेदारी 1.651 फीसदी रही।

रातोंरात शहर में लगी वेस्ट से बनी कृति

कहीं स्वच्छता दीदी, बब्बर शेर, घोड़ा तो कहीं जिराफ और तितलियां

सिटी चीफ इंदौर।
इंदौर। देश के सबसे स्वच्छ शहर इंदौर में कल रात में कई चौराहों पर वेस्ट से बनी हुई कलाकृति लगा दी गई है। यूरेशिया देश के सम्मेलन के ध्यान में रखते हुए यह कलाकृतियां लगाई गई है। इस बार इंदौर अपनी सफलता को आठवें वर्ष में दोहराने की दिशा में आगे बढ़ रहा है।
भारत सरकार के वित्त मंत्रालय के अधीन आयोजित 41वीं यूरेशियन बैठक 25 नवंबर से 29 नवंबर तक ब्रिलियंट कन्वेंशन सेंटर में होने जा रही है। इस अवसर पर इंदौर नगर निगम द्वारा वेस्ट मैटेरियल से बनाए गए स्ट्रक्चर विभिन्न स्थानों पर स्थापित किए गए हैं। आयुक्त

शिवम वर्मा ने बताया कि इंदौर की स्वच्छता की पहचान को दशार्ने वाली सफाई मित्र दीदी का स्ट्रक्चर लाइफ केयर हॉस्पिटल पर लगाया गया है। इसी तरह बडा गणपति चौराहे पर बब्बर शेर और घोड़े के स्ट्रक्चर स्थापित किए गए हैं। स्वच्छता का प्रतीक स्वच्छता मशाल भी इन स्ट्रक्चर्स में शामिल है। ये सभी स्ट्रक्चर लगभग 3 टन वजन के हैं और इन्हें स्क्रैप मैटेरियल से तैयार किया गया है।
वर्मा ने बताया कि इसके अलावा ळउर चौराहा सुपर कोरिडोर पर जिराफ वजन लगभग 220 किलो लगाया गया है। इरत्र्न के जवान की कृति गांधीनगर चौराहा सुपर कोरिडोर पर लगाई गई है।
इसमे एक का वजन करीब 85 किलो है। गांधी नगर चौराहा सुपर कोरिडोर पर तितलियां लगाई है , इनका वजन लगभग 240 किलो है।

कूलर गोदाम में लगी आग में जिंदा जला कर्मचारी, मिला कंकाल

लसूड़िया मोरी के पांचाल कंपाउंड में हादसा, पड़ोस में बनीं दो दुकानें भी जलीं

सिटी चीफ इंदौर।
इंदौर। लसूड़िया मोरी के पांचाल कंपाउंड में शनिवार रात दो बजे कूलर गोदाम में आग लग गई। हादसे में एक कर्मचारी जिंदा जल गया। फायर ब्रिगेड को उसका कंकाल मिला है। आग की चपेट में गोदाम के पास में बनी दो और दुकानें आ गईं। करीब दो घंटे की मशक्कत के बाद फायर ब्रिगेड ने लपटों पर काबू पाया। फायर ब्रिगेड के मुताबिक गोदाम में दो श्वान भी थे। आग लगने पर एक बाहर भाग निकल गया, जबकि दूसरा केबिन के पास बाथरूम में बंधा मिला। आग इतनी भीषण थी कि फायर टीम ने जब गेट तोड़ा तो लपटें बाहर निकल रही थीं।
फायर ब्रिगेड के मुताबिक, आग श्याम कूलर के गोदाम में लगी, जो कृष्णा मोटर वाइंडिंग और एक अन्य लोडिंग गाड़ियों की वर्कशॉप तक पहुंच गई। कूलर गोदाम के भीतर राजू नाम का कर्मचारी सो रहा था। उसने बाहर निकलने की कोशिश की लेकिन धुएं के चलते कामयाब नहीं हो पाया। पुलिस को उसका जला शव मिला है। राजू पिता गया प्रसाद मौर्य उत्तर प्रदेश के सुल्तानपुरा का रहने वाला था। दो साल पहले काम करने इंदौर आया था। पुलिस ने शॉर्ट सर्किट से आग लगने की आशंका जताई है। प्लास्टिक के कूलर, घास के पैड और दूसरे

राजू मौर्य

ज्वलनशील मटेरियल की वजह से यह तेजी से फैल गई।

2 घंटे आग बुझाते रहे फायरकर्मी
टीआई तारेश सोनी ने कहा, राजू ने अपने मालिक को कॉल कर शॉट सर्किट की जानकारी दी थी। मालिक ने कुछ देर में आने की बात कही। राजू ने अपना मोबाइल टेबल पर रखा और आग बुझाने लगा। कुछ देर बाद आग बेकाबू हो गई तो सामने की वर्कशॉप के एक चौकीदार ने पुलिस और फायर ब्रिगेड को सूचना दी। टीम ने रात 3 बजे आग बुझाने का काम शुरू किया, जो सुबह 5 बजे तक चला। आग में फंसे राजू का कंकाल अंदर मिला है। सब इंस्पेक्टर कैलाश मसकुर्ले ने कहा- रात ढाई बजे सूचना मिली थी कि पांचाल कंपाउंड में आग लगने से एक व्यक्ति की मौत हो गई है। धारा 194 के तहत मर्ग कायम किया है।

गुजरात से माता-पिता के साथ आई छह साल की बच्ची लापता

सिटी चीफ इंदौर।
इंदौर। गुजरात से इंदौर अपने माता-पिता के साथ आई एक छह साल की बच्ची लापता गो हो गई। मामले में पुलिस ने अपहरण का केस दर्ज कर बच्ची की तलाश शुरू कर दी है। बच्ची बोलने में असमर्थ और मानसिक रूप से कमजोर है।
गुजरात से इंदौर अपने माता-पिता से मिलने आए जीवन मीणा ने राजेंद्र नगर थाने में अपनी बेटी लक्षिका की गुमशुदगी दर्ज कराई। जीवन ने बताया कि वह सुरेंद्र नगर, गुजरात में फार्मा कंपनी में काम करते हैं और इंदौर के शिव सागर कॉलोनी में अपने माता-पिता से मिलने आए थे। शनिवार को दोपहर में उनकी पत्नी शालिनी ब्यूटी पार्लर गई थीं। उन्होंने कॉल करके जीवन से कहा कि बेटी को बाल कटवाने के लिए भेज दें। उस समय जीवन खाना खा रहे थे, इसलिए उन्होंने अपने चचेरे भाई ऋषि से लक्षिका को उसकी मां के पास छोड़ने के

लिए कहा। लेकिन जब ऋषि ने लक्षिका को ढूंढा, तो वह नहीं मिली। आसपास के लोगों से बच्ची के बारे में पूछताछ की गई, लेकिन कोई जानकारी नहीं मिली। काफी देर तक खोजबीन करने के बाद बच्ची की गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराई गई।

सुनसान स्थानों की तलाशी अभियान शुरू
बच्ची के लापता होने की जानकारी मिलते ही पुलिस ने तुरंत कार्रवाई करते हुए अपहरण का मामला दर्ज किया और उसकी तलाश शुरू कर दी। प्राथमिकता के आधार पर पुलिस ने इलाके के सीसीटीवी फुटेज खंगालने, स्थानीय निवासियों से पूछताछ करने और सुनसान स्थानों की तलाशी अभियान शुरू किया है। पुलिस ने मीडिया और सोशल मीडिया पर बच्ची की तस्वीर और जानकारी साझा करने की भी योजना बनाई है ताकि जल्द से जल्द उसकी जानकारी मिल सके।

लक्ष्मीनारायण सेवा संस्थान ने कराया दिव्यांग जोड़ों का विवाह

गोद में लेकर दुल्हा-दुल्हन को दिलाए फेरे...

इंदौर। शहर में रविवार को लक्ष्मीनारायण सेवा संस्थान द्वारा दिव्यांगों का विवाह समारोह आयोजित कराया गया। इसमें 31 दिव्यांग जोड़े विवाह सूत्र में बंधे। सामूहिक विवाह में बिहार, राजस्थान के अलावा इंदौर संभाग के जिलों से भी जोड़े आए थे। समारोह में चार हजार से ज्यादा मेहमानों को भोजन भी कराया गया। संस्था ने विवाह से पहले मेंहदी, महिला संगीत व हल्दी की रस्में भी कराई। बीते 12 सालों में सात सौ जोड़ों का विवाह संस्था करा चुकी है।
रविवार को कुछ दिव्यांग जोड़ों को उनके परिजनों ने गोद में उठाया और अग्नि वेदी के सात फेरे लगवाए, तो कुछ दिव्यांगों ने शहनाई की मधुर धून के बीच

ट्रायसिकल पर बैठकर भी फेरे लिए। विवाह के लिए दुल्हनों के मेकअप की व्यवस्था भी संस्था ने कराई थी।
आयोजकों ने बताया कि सर्वधर्म विवाह का उद्देश्य यही है कि गरीब परिवार अपने बच्चों की विवाह कर्ज लिए बगैर कर सके। जिन बेटियों के माता-पिता नहीं है। उनका विवाह भी संपन्न हुआ। समारोह में दानदाताअ?ों ने पलंग, मंगलसूत्र, अलमारी, सिलाई मशीन,पायजेब व अन्य सामग्री भी दी गई।

नियमों के उल्लंघन पर पुलिस अफसरों ने आयोजकों को रोकने की नहीं की कोशिश

बीआरटीएस की बस लेन में निकाली भाजपा की यात्रा

सिटी चीफ इंदौर।
इंदौर। शहर में भाजपा की संविधान गौरव यात्रा ने रविवार को नियमों का उल्लघंन कर दिया। यात्रा विजय नगर से राजीव गांधी चौराहा तक अन्य वाहनों के लिए प्रतिबंधित बीआरटीएस बस लेन से निकाली। इस कारण आई बसें मोटर व्हीकल लेन में चली। बस स्टेशनों पर बसों का इंतजार कर रहे यात्रियों को भी इससे असुविधा हुई। सत्तारुढ़ पार्टी द्वारा निकाली गई यात्रा के कारण अफसर भी कुछ कहने से बच रहे हैं। भाजपा अजा मोर्चा की यात्रा बलजीत सिंह चौहान की अगुवाई में विजय नगर चौराहा से निकाली गई। मैदान में हजारों की संख्या में कारें व अन्य वाहन एकत्र थे। जिन पर तिरंगे झंडे लगे थे। जब यात्रा शुरू हुई तो

अचानक कारें बीआरटीएस की बस लेन से गुजरने लगी। पूरी बस लेन में कारों ही कारों का काफिला नजर आने लगा। विजय नगर चौराहे पर ही थाना है, लेकिन पुलिस अफसरों ने आयोजकों को रोकने की जहमत नहीं उठाई। साढ़े 11 किलोमीटर के बीआरटीएस के आठ जंक्शनों को पार कर यात्रा राजीव गांधी चौराहे तक बस लेन से गुजरी। इसके बाद यात्रा महू तक पहुंची और वेटनरी कॉलेज पर समाप्त हुई। आयोजकों का कहना है कि हमने यात्रा के लिए प्रशासन से अनुमति ली थी, हालांकि बस लेन से वाहन ले जाने को लेकर उन्होंने को लेकर उन्होंने कोई जवाब नहीं दिया। इस मामले में ट्रैफिक डीसीपी अरविंद तिवारी का कहना है कि यात्रा की अनुमति प्रशासन की तरफ से मिलती है। अनुमति किस मार्ग की थी। हम पता करवा रहे है।

कोर्ट की अनुमति के बगैर नहीं चल सकते बस लेन में वाहन
बीआरटीएस के संचालन में यह पहले से तय है कि बस लेन में सिर्फ आई बस और एम्बुलैंस ही चल सकती है। दूसरे वाहन बस लेन में नहीं चल सकते। इसके लिए कोर्ट से अनुमति जरुरी होती है,लेकिन नियमों को ताक पर रखकर पहली बार बीआरटीएस से राजनीतिक यात्रा निकाली गई। आपको बता दे कि हाल ही में मुख्यमंत्री मोहन यादव ने बीआरटीएस को हटाने का निर्णय लिया है। जल्दी ही नगर निगम इस मामले में कोर्ट में अपना पक्ष रखेगा।

एनसीसी ग्रुप ने जागरूकता के लिए निकाली वॉकथान

सिटी चीफ इंदौर।
इंदौर। राष्ट्रीय कैडेट कोर (एनसीसी) ग्रुप इंदौर ने रविवार को वॉकथॉन के साथ अपनी 76वीं वर्षगांठ समारोह की शुरुआत की। दरअसल, युवाओं और जनता के बीच ड्रग्स और यातायात जागरूकता को बढ़ावा देने के लिए रन एंड वॉकथॉन का आयोजन किया गया था।
एनसीसी ग्रुप के वरिष्ठ अधिकारियों ने अपने संबोधन में बताया कि कैसे अनुशासन, नेतृत्व और सामुदायिक सेवा की भावना पैदा करने का एनसीसी का मिशन अपने 76वें वर्ष में भी गहराई से गूंज रहा है। यह रन और वॉकथॉन एनसीसी दिवस समारोह के अग्रदूत के रूप में कार्य करता है, जो आने वाले दिनों में राष्ट्र के लिए एनसीसी की उपलब्धियों और योगदान को प्रदर्शित करने वाली गतिविधियों और कार्यक्रमों की एक श्रृंखला के साथ समाप्त होने वाला है। इस अवसर पर कैडेट्स के साथ एनसीसी ऑफिसर कैप्टन डॉ. द्रोण मिश्रा, लेफ्टिनेंट निर्मल मेदतवाल और लेफ्टिनेंट प्रतीक मिश्रा रिसालदार जगजीवन सिंह, अधिकारियों और एसोसिएटेड एनसीसी अधिकारियों (एएनओ) और पीआई स्टाफ के साथ-साथ शहर भर के विभिन्न स्कूलों और कॉलेजों के 300 से अधिक कैडेट शामिल हुए।

इंदौर फैशन फेस्ट के पहले ऑडिशन में 60 से ज्यादा प्रभिागी हुए शामिल

सिटी चीफ इंदौर।
इंदौर। इंदौर बिजनेस वूमेन एंपावरमेंट और सायनासोर इवेंट्स एंड अवार्ड्स द्वारा 'इंदौर फैशन फेस्ट' का एक अनोखा आयोजन किया जा रहा? है। इसका पहला आडिशन रविवार को किया गया।? इसमें 60 से ज्यादा प्रतिभागियों ने भाग लिया। लोगों के रिस्पांस देखते हुए दूसरा आडिशन 15 दिसंबर को किया जाएगा। इसमें फैशन डिजाइनर और मेकअप आर्टिस्ट भु भाग ले सकेंगे। आईबीडब्ल्यूई की फाउंडर पायल जायसवाल, स्नेहा विरवानी और मितोषी साह ने बताया कि इस आयोजन का उद्देश्य महिलाओं को उनकी प्रतिभा और कौशल को प्रदर्शित करने का मंच प्रदान करना है। इंदौर के लोग मॉडल, ब्यूटिशियन और डिजाइनर के रूप में अपना पंजीकरण करवाया और आडिशन दिया।

यात्रियों से किराया लिया लेकिन बसों में नहीं बैठने दिया

चार्टर्ड बस ऑफिस में महिलाओं से अभद्रता, यात्री-कर्मचारी भिड़े

सिटी चीफ इंदौर।
शहर में चार्टर्ड बस कार्यालय पर जमकर हंगामा हुआ। यात्रियों से किराया ले लिया गया और उन्हें टिकट नहीं दिए गए। हंगामा इतना बढ़ गया कि यात्रियों को अपनी यात्रा निरस्त करना पड़ी। उन्हें बसों में बैठने भी नहीं दिया। हंगामे के दौरान चार्टर्ड के कर्मचारियों ने महिलाओं के साथ अभद्रता भी की।
यात्री दीप्ती गिरी ने बताया कि परिवार में निधन होने की वजह से हमें अर्जेंट में भोपाल के लिए निकलना था। हमने बायपास बेस्ट प्राइस स्थित चार्टर्ड बस के कार्यालय से भोपाल के टिकट के पैसे दिए और टिकट मांगा। कर्मचारी ने कहा कि मोबाइल पर कुछ देर में टिकट आ जाएगा। हमने पूछा कि बस कितनी देर में आएगी तो बताया कि 15 मिनट में बस आ जाएगी। बहुत देर के बाद जब टिकट नहीं आया तो हमने शिकायत की। इस पर कर्मचारियों ने कहा कि हम कुछ नहीं कर सकते। मोबाइल से आपको फोटो खींचकर दे देते हैं। हमने कहा बस कब आएगी तो उस पर भी गोलमोल जवाब देते रहे। इस बीच कई अन्य यात्रियों ने शिकायत की और कहा कि वे एक घंटे से इंतजार कर रहे हैं लेकिन बस नहीं आई है।

परेशान होते रहे महिलाएं और बच्चे
चार्टर्ड के कार्यालय पर बड़ी संख्या में महिलाएं और बच्चे भी परेशान होते रहे। इस घटना के वीडियो भी वायरल हो रहे हैं। इनमें दिख रहा है कि महिलाएं एक घंटे से बस नहीं आने की शिकायत कर रही हैं। चार्टर्ड के कर्मचारी यात्रियों के साथ गाली गलौच करते हुए भी दिख रहे हैं।

दोषियों पर करेंगे कार्रवाई
इस मामले में बस संचालक ने कहा कि हम दोषियों पर सख्त कार्रवाई करेंगे। यात्रियों की सुविधा ही हमारी प्राथमिकता है। इंदौर भोपाल रोड पर जाम की वजह से बसें लेट हो रही हैं। भंडारी ब्रिज, शिप्रा ब्रिज और अन्य कई जगह काम चल रहा है इसलिए यात्रियों को परेशानी हो रही है।

जरूरतमंदों को पीएम आवास देने के बाद भी डेढ़ हजार एकड़ जमीन पर फैली हुई हैं 388 झुग्गियां

दो हजार करोड़ खर्च के बाद भी खत्म नहीं हुई झुग्गियां

सिटी चीफ भोपाल।
भोपाल। प्रदेश की राजधानी को झुग्गी मुक्त बनाने के लिए नगर निगम, जिला प्रशासन द्वारा बीते एक दशक से लगातार प्रयास किए जा रहे हैं, लेकिन इसमें सफलता नहीं मिल पा रही है। दरअसल, झुग्गी बस्ती के रहवासियों को मकान तो मिल जाते हैं लेकिन वह अपना पुराना कब्जा नहीं छोड़ते हैं। इस वजह से झुग्गी बस्ती खत्म होने की बजाय तेजी से बढ़ती जा रही है। एक दशक में शासन द्वारा झुग्गी बस्ती खत्म करने के लिए दो हजार करोड़ रुपये की राशि खर्च की जा चुकी है। इसके लिए प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत पक्के मकान देने का काम निरंतर किया जा रहा है। बता दें कि शहर के विभिन्न क्षेत्रों में बसी झुग्गी बस्तियों में लगभग सात लाख से अधिक परिवार निवास करते हैं। शहर के लगभग डेढ़ हजार एकड़ जमीन पर 388 झुग्गी बस्तियां बसी हैं। इनमें रोशनपुरा बस्ती, बाणगंगा, भीमनगर, विश्वकर्मा नगर, राहुल नगर, दुर्गा नगर, बाबा नगर, अर्जुन नगर, पंचशील, नया बसेरा, संजय नगर, गंगा नगर, बापू नगर, शबरी नगर, ओम नगर, दामखेड़ा, उड़िया बस्ती, नई बस्ती, मीरा नगर, ईदगाह हिल्स जैसी कुल 388 बस्तियां हैं। पूर्व प्रशासनिक अधिकारी जीपी माली ने बताया कि निगम व जिला प्रशासन को सबसे पहले नई झुग्गियों पर रोक लगाना चाहिए। इनके बनते ही तुरंत हटाने की व्यवस्था हो। संबंधित क्षेत्र के अधिकारी-इंजीनियर की जिम्मेदारी तय कर देना चाहिए। झुग्गी विकसित होने पर कार्रवाई की जानी चाहिए। सामूहिक तौर पर झुग्गी क्षेत्र को खाली करवाकर शिफ्टिंग करना चाहिए।

इस वजह से खत्म नहीं हो रहीं झुग्गियां

- सरकारी आवास परिवार के प्रमुख सदस्य के नाम आवंटित कराने के बावजूद परिवार के कुछ सदस्य झुग्गी नहीं छोड़ते हैं। यदि निगम आवास आवंटन के बाद झुग्गी तोड़ भी देता है तो उसी क्षेत्र में अन्य किसी सरकारी जगह पर झुग्गी तान ली जाती है।
- सरकारी आवास 350 वर्गफीट का होता है, जबकि झुग्गी में 1000 से 1500 वर्गफीट की जमीन घेरी हुई होती है। बड़े मकान को छोड़कर पक्के आवास में जाना पसंद नहीं किया जाता।
- स्थानीय जनप्रतिनिधि वोट बैंक की राजनीति के तहत झुग्गी विस्थापन का विरोध करते हैं। ऐसे में पक्का आवंटित आवास किराए पर चलवा दिया जाता है और परिवार वहीं झुग्गी में रहता है।

शहर में पहले शासकीय भूमि पर बसी झुग्गियों को समय-समय पर विस्थापन की कार्रवाई की जाती है। हाल ही में भदभदा बस्ती के 386 परिवारों को विस्थापन का काम किया जा रहा है। इससे पहले भी परिवारों को विस्थापित कराया गया है। आगे भी शहर को झुग्गी मुक्त कर लोगों को पक्के आवास आवंटित करने का सिलसिला जारी रहेगा।
- कौशलेंद्र विक्रम सिंह, कलेक्टर, भोपाल

हाउसिंग फार आल के तहत लगातार आवास तैयार हो रहे हैं और शिफ्टिंग की जा रही है। स्लम फ्री सिटी बनाना हमारा लक्ष्य है और जल्द ही हम लक्ष्य प्राप्त कर लेंगे।
- संतोष गुप्ता, अधीक्षण यंत्री, भोपाल नगर निगम

मप्र में पीपीपी मोड पर खुलेंगे मेडिकल कॉलेज

सीएम बोले-50 मेडिकल कॉलेज का लक्ष्य

सिटी चीफ भोपाल।
मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्रदेश के नागरिकों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध करवाने और चिकित्सा शिक्षा व्यवस्था का विस्तार करने की दृष्टि से नए मेडिकल कॉलेज प्रारंभ किए जा रहे हैं। प्रदेश में वर्ष-2003 तक सिर्फ 5 शासकीय मेडिकल कॉलेज थे। गत 20 वर्ष में 12 नए मेडिकल कॉलेज प्रारंभ हुए और अब एक साथ 12 अन्य मेडिकल कॉलेज पीपीपी मोड पर प्रारंभ करने की ओर हम बढ़ चुके हैं। शीघ्र ही प्रदेश में 50 मेडिकल कॉलेज होंगे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में स्वास्थ्य और चिकित्सा के क्षेत्र में अधोसंरचना सशक्त होती जा रही है। प्रत्येक लोकसभा क्षेत्र में मेडिकल कॉलेज प्रारंभ करने का लक्ष्य है। इसके साथ ही मध्य प्रदेश के प्रत्येक जिले के लिए मेडिकल कॉलेज की संकल्प की पूर्ति के लिए राज्य सरकार प्रयासरत है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने समत्व भवन (मुख्यमंत्री निवास) में शनिवार को एक बैठक में प्रदेश में पीपीपी मॉडल पर मेडिकल कॉलेज प्रारंभ करने के लिए उप मुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ल और वरिष्ठ अधिकारियों से चर्चा की। उप मुख्यमंत्री शुक्ल बैठक में वर्चुअली शामिल हुए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश के नर्मदापुरम, देवास सहित अनेक अंचल नए मेडिकल कॉलेज की सुविधा से लाभान्वित होंगे। प्रधानमंत्री मोदी ने मंदसौर, नीमच और सिवनी में गत माह तीन मेडिकल कॉलेज का लोकार्पण किया। प्रदेश के नागरिकों को आने वाले समय में नए-नए मेडिकल कॉलेज मिलेंगे। बैठक में प्रमुख सचिव स्वास्थ्य श्री संदीप यादव ने प्रजेंटेशन द्वारा पीपीपी मॉडल में स्थापित होने वाले कॉलेजों से संबंधित रूपरेखा प्रस्तुत की। पीपीपी मोड में शासन द्वारा नियमानुसार भूमि आवंटन, अस्पतालों की वर्तमान क्षमता के विस्तार और रोगियों के उपचार पर होने वाले व्यय से संबंधित बिन्दुओं पर आज विचार-विमर्श किया गया। इस संबंध में शीघ्र ही मंत्रि-परिषद द्वारा आवश्यक निर्णय लिया जाएगा।

एसी कोच में यात्री बनकर चुराते थे मोबाइल और जेवर

सिटी चीफ भोपाल।
भोपाल। दिल्ली से इटारसी और भोपाल के बीच चलने वाली ट्रेनों में यात्रियों के सामान चोरी करने वाले दो बदमाशों को जीआरपी ने राजधानी के रानी कमलापति रेलवे स्टेशन से पकड़ा है। आरोपी एसी और स्लीपर कोच में रिजर्वेशन करवाकर लगभग रोजाना ट्रेन में सफर करते थे और ट्रेन में सो रहे यात्रियों के मोबाइल फोन, जेवरात समेत कई कीमती सामान चोरी करते थे। बीते 18 नवंबर को भी वे इसी फिराक में दिल्ली से भोपाल पहुंचे थे और वापस दिल्ली जाने के लिए ट्रेन का इंतजार कर रहे थे। उनके हावभाव देखकर जीआरपी के जवान को उन पर संदेह हुआ। जीआरपी जवान ने जब उनसे पूछताछ की तो वे सकपका गए और सही जवाब नहीं दे सके। इसके बाद जीआरपी पुलिस ने दोनों को हिरासत में लिया और

चोरी का सामान जब्त कर शुक्रवार को उन्हें जेल भेजा। एसआई महेंद्र सिंह सोमवंशी ने बताया उत्तर दिल्ली के पुस्ता सोम बाजार इलाके में रहने वाले 40 वर्षीय राहुल कुमार जाटव और 39 वर्षीय मो. शानू पुराने दोस्त हैं। पूछताछ में उन्होंने बताया कि पिछले करीब चार साल से वे ट्रेनों में रिजर्वेशन करवाकर दिल्ली से भोपाल व इटारसी की ओर जाने वाली ट्रेनों में सफर करते थे। सफर के दौरान जो सवारियों सो जाती थीं, वे चुपके से उनके सामान को चुराकर दूसरे कोच में भाग जाते थे। आरोपितों के कब्जे से मंगलसूत्र और सोने की चेन समेत कई जेवरात व नकदी बरामद की गई है।

हवाई फायरिंग का वीडियो आने के बाद कार्रवाई

कुख्यात बदमाश का बेटा अवैध पिस्टल के साथ गिरफ्तार

सिटी चीफ भोपाल।
भोपाल। राजधानी की क्राइम ब्रांच ने कुख्यात बदमाश रहे मुख्तार मलिक के बेटे यासिन मलिक को अवैध पिस्टल और कारतूस के साथ गिरफ्तार किया है। आरोपी के खिलाफ आर्म्स एक्ट के तहत केस दर्ज हुआ था। उसके खिलाफ पहले से आधा दर्जन से ज्यादा अपराध शहर के अलग-अलग थानों में दर्ज हैं। आरोपी का एक वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल हुआ था, जिसमें वह कार में बैठकर पिस्टल को लोड करते व हवाई फायरिंग करते हुए दिखाई रहा है। उसके बाद से ही क्राइम ब्रांच उसकी तलाश कर रही थी। जानकारी के अनुसार क्राइम ब्रांच की टीम को पूर्व नकबजन, अवैध हथियार, जेल रिहाई और गुंडे बदमाशों की तलाश और निगरानी के लिए लगाया गया था। इलाका भ्रमण के दौरान टीम वीआईपी रोड स्थित करबला के पास पहुंची तो मुखबिर से सूचना मिली कि सफेद टीशर्ट और नीले रंग की जींस पैंट पहने एक युवक पिस्टल लेकर किसी वारदात को अंजाम देने के लिए घूम रहा है। सूचना मिलते ही पुलिस टीम सूफिया मस्जिद के पीछे सैफिया ग्राउंड पहुंचकर बताए गए संदेही हुलिए के युवक को हिरासत में लिया। आरोपी के खिलाफ पहले से आधा दर्जन से ज्यादा केस दर्ज पूछताछ करने पर उसने अपना नाम यासिन मलिक उर्फ शोवी पुत्र मुख्तार मलिक (22) निवासी प्राइम हाइट्स मल्टी कोहेफिजा बताया। तलाशी लेने पर पैंट की जेब में रखी एक देशी पिस्टल मिली, जिसकी मैगजीन में दो जिंदा कारतूस लगे हुए थे। आरोपी ने उक्त पिस्टल किससे और क्यों खरीदी थी, इसको लेकर पूछताछ की जा रही है। आरोपी बीकॉम थर्ड इयर का छात्र बताया गया है। उसके खिलाफ पहले से कोहेफिजा, तलैया, पिपलानी और रातीबड़ में आधा दर्जन से ज्यादा अपराध दर्ज हैं।

आपत्तिजनक वीडियो पोस्ट करने पर बदमाश लल्लू रईस पर केस दर्ज

सिटी चीफ भोपाल।
भोपाल। अशोका गार्डन पुलिस ने फेसबुक पर आपत्तिजनक वीडियो पोस्ट करने वाले एक व्यक्ति के खिलाफ धार्मिक भावनाओं को भड़काने का मामला दर्ज किया है। पुलिस के मुताबिक चांदबड़ स्टेशन बजरिया में रहने वाले आशीष शुक्ला प्रापर्टी डीलिंग का काम करते हैं। गुरुवार की रात करीब ग्यारह बजे वह अस्सी फीट रोड स्थित एक दुकान पर चाय पीने पहुंचे थे। इसी दौरान उन्होंने अपने फेसबुक पर एक वीडियो देखा। वीडियो में एक कथावाचक को एक अभिनेता के पैर छूते हुए दिखाया गया था। यह वीडियो लल्लू रईस द्वारा अपलोड किया गया था। इससे उनकी धार्मिक भावनाओं को आघात पहुंचा था। आशीष ने इस मामले की शिकायत पुलिस से की थी। पुलिस ने लल्लू के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है। इधर हबीबगंज पुलिस ने अरेरा कालोनी में रहने वाले गैस एजेंसी संचालक बुद्धसेन शर्मा की रिपोर्ट पर अज्ञात मोबाइल धारक के खिलाफ फोन पर धमकाने का मामला दर्ज किया है। आरोपी ने उनकी गैस एजेंसी बंद करवाने की धमकी दी थी। मोबाइल नंबर के आधार पर आरोपी का पता लगाया जा रहा है।

नए डीजीपी मकवाना के साढ़े तीन साल में हुए सात ट्रांसफर

सिटी चीफ भोपाल।
भोपाल। आईपीएस अधिकारी कैलाश मकवाना को मध्य प्रदेश का नया पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) नियुक्त किया गया है। 1988 बैच के आईपीएस अधिकारी कैलाश मकवाना प्रदेश के 32वें डीजीपी होंगे। 1 दिसंबर को वह यह पद संभालेंगे और वर्तमान डीजीपी सुधीर सक्सेना का स्थान लेंगे। तेज तर्रार छवि के मकवाना का साढ़े तीन साल में 7 बार ट्रांसफर हुआ है।

रविवार को डीजीपी सुधीर सक्सेना कैलाश मकवाना को बधाई देने उनके निवास पहुंचे। सुधीर सक्सेना ने मार्च 2020 में डीजीपी के रूप में पदभार संभाला था। कैलाश मकवाना के पास कई महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां रही हैं, जिनमें मध्य प्रदेश पुलिस हाउसिंग कारपोरेशन के चेयरमैन का पद भी शामिल है। कैलाश मकवाना 30 नवंबर 2026 तक डीजीपी रहेंगे।

ऐसे में साफ है कि अब 1990 बैच तक के अफसर डीजीपी नहीं बन पाएंगे। 1988 बैच के अरविंद कुमार मई 2025 में सेवानिवृत्त हो जाएंगे। वहीं, 1989 बैच के अधिकारी अजय कुमार शर्ता अगस्त 2026 और इसी बैच के जीपी सिंह जुलाई 2025 में रिटायर्ड होंगे।

भ्रष्टाचार के खिलाफ कड़े कदम उठाए

कैलाश मकवाना को तेज-तर्रार और मेहनती अफसर माना जाता है। उन्होंने हमेशा भ्रष्टाचार के खिलाफ कड़े कदम उठाए हैं। शिवराज सरकार के कार्यकाल में वह लोकायुक्त के डीजी के रूप में नियुक्त हुए थे, लेकिन महज छह महीने बाद उनका तबादला कर दिया गया। उनके कार्यकाल में लोकायुक्त ने भ्रष्टाचार के खिलाफ कई ठंडे बस्ते में पड़ी फाइलें खोलीं और महत्वपूर्ण जांचों को आगे बढ़ाया। इसके अलावा, महाकाल लोक कॉरिडोर के मामले में भी उन्होंने कार्रवाई की थी।

कई महत्वपूर्ण पदों पर रहे मकवाना

मकवाना का पुलिस विभाग में करियर उतार-चढ़ाव से भरा रहा है। उन्होंने साढ़े तीन साल के दौरान सात बार अपना स्थान बदला था, जिसमें कमलनाथ सरकार के दौरान तीन बार उनका ट्रांसफर हुआ था। उनके ट्रांसफर की सूची में एडीजी इंटेलिजेंस, एडीजी नारकोटिक्स, एडीजी सीआईडी, और एडीजी प्रशासन जैसी प्रमुख पदों पर कार्य करना शामिल है। 2021 में उन्हें पुलिस हाउसिंग कारपोरेशन का चेयरमैन बनाया गया था, और फिर 2022 में उन्हें लोकायुक्त का महानिदेशक बनाया गया। हालांकि, लोकायुक्त में भ्रष्टाचार के खिलाफ कार्रवाई करने के कारण सरकार ने उन्हें हटाकर पुलिस हाउसिंग कारपोरेशन में भेज दिया।

पहले स्थान पर था मकवाना का नाम

हालांकि, 2022 में उनकी एसीआर (गोपनीय चरित्रावली) को लेकर विवाद उठा था, क्योंकि लोकायुक्त के डीजी रहते हुए उनकी एसीआर को खराब कर दिया गया था। उन्होंने शासन से अपनी एसीआर सुधारने की अपील की थी, और सरकार ने उनके पक्ष में निर्णय लिया। इस बार जब डीजीपी की नियुक्ति के लिए मध्य प्रदेश सरकार ने तीन नामों का पैनल भेजा, तो कैलाश मकवाना का नाम पहले स्थान पर था। इसके बाद अरविंद कुमार, जो वर्तमान में डीजी होमगार्ड हैं, और अजय शर्मा, जो डीजी ईओडब्ल्यू हैं, के नाम पैनल में शामिल थे। कैलाश मकवाना की त्वरित निर्णय क्षमता, भ्रष्टाचार विरोधी कार्यवाही, और प्रशासन में दक्षता ने उन्हें एक प्रभावशाली अफसर बना दिया है। उनकी अगुवाई में मध्य प्रदेश पुलिस में और सुधार होने की संभावना है।

साफ सुथरी छवि का मिला फायदा

कैलाश मकवाना को अपने करियर में साफ सुथरी छवि और उज्जैन का होने का फायदा मिला है। कैलाश मकवाना का अकादमिक बैकग्राउंड भी मजबूत है। उज्जैन के रहने वाले कैलाश मकवाना ने मैनिट भोपाल से बीई किया है और आईआईटी दिल्ली से एमटेक की डिग्री प्राप्त की है। उन्होंने कई प्रमुख पोस्टों पर कार्य किया है, जिनमें अति संवेदनशील क्षेत्रों में काम करने का अनुभव शामिल है। उन्होंने दुर्ग, मुरैना, जबलपुर, रायपुर, दंतेवाड़ा, मन्दसौर और सागर जैसे विभिन्न स्थानों पर अपनी सेवाएं दी हैं। इसके अलावा, वह इंटेलिजेंस विभाग में कई महत्वपूर्ण पदों पर कार्यरत रहे हैं।

सम्पादकीय

प्राकृतिक चिकित्सा में स्वस्थ जीवन की कुंजी

भारतीय संस्कृति सदियों से प्रकृति की उपासक रही है। हमारे तमाम पर्व, त्योहार, पूजा पद्धति और जीवन शैली प्रकृति के अनुरूप ही रही है। दरअसल, कुदरत के विरुद्ध दिनचर्या और खानपान ही हमारी व्याधियों के मूल में होता है। जितना हम प्रकृति के विपरीत आचरण करते हैं उतना ही मनोकायिक रोगों की चपेट में आते जाते हैं। कुदरत ने भोजन, फलों और मसालों के रूप में तमाम ऐसी चीजें दी हैं जो हमें स्वस्थ रख सकती हैं। धरती में प्रकृति हर पल बदलाव की प्रक्रिया में सक्रिय रहती है। दरअसल, मौसम व प्रकृति के अवयवों में ये बदलाव इतने सूक्ष्म और निरंतर होते हैं कि हम परिवर्तन को महसूस ही नहीं करते कि कब पत्ते बने, कोंपलें फूटी, फूल से फल बने। इसी तरह हमारे शरीर में भी सतत और सूक्ष्म परिवर्तन निरंतर चलता रहता है जिसे हम दुनियावी फेर में पड़कर महसूस नहीं करते।

जब देश में हर 18 नवंबर को राष्ट्रीय प्राकृतिक चिकित्सा दिवस मनाने का संकल्प लिया गया तो इसका मकसद दवा रहित प्रणाली के माध्यम से सकारात्मक मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य को बढ़ावा देना था। जो प्राकृतिक चिकित्सा का उद्देश्य भी है। वर्ष 2018 में इस दिन की घोषणा करके आयुष मंत्रालय ने इस विश्व प्रसिद्ध वैकल्पिक चिकित्सा पद्धति में प्राकृतिक संसाधनों और गतिविधियों के जरिये प्राकृतिक स्वास्थ्य को ठीक करने का राष्ट्रव्यापी संकल्प लिया। जिसका मकसद प्राकृतिक चिकित्सा के बारे में ज्ञान व जागरूकता का प्रसार करना था। भारतीय संस्कृति सदियों से प्रकृति की उपासक रही है। हमारे तमाम पर्व, त्योहार, पूजा पद्धति और जीवन शैली प्रकृति के अनुरूप ही रही है। दरअसल, कुदरत के विरुद्ध दिनचर्या और खानपान ही हमारी व्याधियों के मूल में होता है। जितना हम प्रकृति के विपरीत आचरण करते हैं उतना ही मनोकायिक रोगों की चपेट में आते जाते हैं। कुदरत ने भोजन, फलों और मसालों के रूप में तमाम ऐसी चीजें दी हैं जो हमें स्वस्थ रख सकती हैं। धरती में प्रकृति हर पल बदलाव की प्रक्रिया में सक्रिय रहती है। दरअसल, मौसम व प्रकृति के अवयवों में ये बदलाव इतने सूक्ष्म और निरंतर होते हैं कि हम परिवर्तन को महसूस ही नहीं करते कि कब पत्ते बने, कोंपलें फूटी, फूल से फल बने। इसी तरह हमारे शरीर में भी सतत और सूक्ष्म परिवर्तन निरंतर चलता रहता है जिसे हम दुनियावी फेर में पड़कर महसूस नहीं करते। शरीर की कोशिकाएं हर क्षण बदलती रहती हैं। शरीर बदलते मौसम के अनुरूप खुद को ढालता चलता है। इसी तरह प्राकृतिक चिकित्सा भी कायाकल्प की प्रक्रिया को धीरे-धीरे अंजाम देती है। आमतौर पर माना जाता है कि प्राकृतिक दिनचर्या के दौरान उपचार में 45 दिन का समय लगता है। लेकिन अब भागमभाग की जिंदगी में इसे एक सप्ताह तक सीमित कर दिया जाता है। निस्संदेह प्राकृतिक चिकित्सा की प्रक्रिया में समय लगता है, जिसके लिये रोगी को धैर्य की जरूरत होती है। हमारे पौराणिक ग्रंथों व महापुरुषों की वाणी में प्रकृति के महत्व को देखा जा सकता है। गुरु नानकदेव जी की वाणी का प्राकृतिक जीवन के बारे में गुरबाणी में उल्लेख है- ह्यपवण गुरु पाणी माता धरति महतु ॥ यानी पवन हमारे गुरु हैं। यदि हवा प्रदूषित हो जाए तो जीवन पर संकट पैदा हो जाएगा। शुद्ध वायु में ही जीवन है। यदि हम प्राकृतिक संसाधनों को प्रदूषित करते हैं तो आने वाली पीढ़ियों के भविष्य से खिलवाड़ करते हैं। दरअसल, प्राकृतिक चिकित्सा हमारी अराजक जीवन शैली को संयमित कर सकती है। कुछ ऐसे रोग जो उपचार योग्य नहीं माने जाते, उन पर अंकुश लगा सकती है। प्राकृतिक चिकित्सा केंद्र से निकलने के बाद व्यक्ति अपने घर में आहार-विहार को संतुलित करने का प्रयास कर सकता है। हम सूरज के उगने से पहले उठें। धूप में न बैठने से हम विटामिन डी की समस्या से ग्रस्त हो जाते हैं, जिससे शरीर में कई रोग पैदा हो जाते हैं। आमतौर पर विदेशों में लोग नवंबर से जनवरी तक सूर्य स्नान लेते हैं जिससे लोगों को विटामिन-डी मिल जाता है। खतरा तो आर.ओ. का पानी भी है, जो हमारी बोन डेंसिटी कम करता है। दरअसल, आज आम लोग शारीरिक श्रम नहीं करते। खान-पान की चीजों में भारी मिलावट है। बाजार की शक्तियां कई तरह के भ्रम फैलाती हैं। दरअसल, प्रकृति साधना की चीज है। आज इसे हमने साधन बना दिया है। साधना से दूर होते लोग शारीरिक असंतुलन के शिकार होते हैं। वास्तव में अधिकांश आधुनिक रोग काम न करने की बीमारी है। हम लोग दिमाग को थका रहे हैं, शरीर को नहीं थका रहे हैं। इसी वजह से शरीर को?भुगतना पड़ रहा है। आदमी पैदल नहीं चल रहा है।

आलोचना पर दमनात्मक रवैया ठीक नहीं

विक्रांत मैसी की दि साबरमती रिपोर्ट को हरियाणा, छत्तीसगढ़ के साथ ही अब मध्य प्रदेश में भी टैक्स फ्री कर दिया गया है। इन तीनों राज्यों में भाजपा की सरकारें हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और अमित शाह की तारीफ के बाद राजनीतिक महकमों में भी इसकी चर्चा बढ़ गई है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा फिल्म को देखने के बाद इसकी सराहना की गई। विक्रांत मैसी की फिल्म दि साबरमती रिपोर्ट की केंद्रीय भूमिका वाली यह फिल्म 27 फरवरी, 2002 के गोधरा ट्रेन अग्निकांड पर आधारित है। गोधरा स्टेशन के पास खड़ी साबरमती एक्सप्रेस की बोगी नंबर एस-6 में आग लगा दी गई थी। अयोध्या से लौट रहे 59 हिंदू कारसेवक जिंदा जल गए थे। मरने वालों में 27 महिलाएं और 10 बच्चे भी शामिल थे। उसके बाद पूरे गुजरात में जो दंगा भडका, वह आजाद भारत के सबसे भयावह दंगों में से एक था।

सत्तारूढ़ राजनीतिक दलों के नेताओं को आलोचना जरा भी बर्दाश्त नहीं है। मीडिया और सोशल मीडिया पर यदि सत्तारूढ़ दलों के नेताओं के खिलाफ कुछ लिखा या बोला जाता है तो उन पर सरकारें दमनात्मक कार्रवाई करने पर उतारू हो जाती हैं। राजनीतिक दल चाहे राष्ट्रीय हो या क्षेत्रीय, किसी को आलोचना बर्दाश्त नहीं है। उनका निशाना विपक्ष और मीडिया रहता है। सत्तारूढ़ दलों को आलोचना तभी तक सुहाती है, जब वह विपक्षी दलों की हो। ऐसे में सच्चाई पर पर्दा डालने के लिए राजनीतिक दलों के नेता सरकारी मशीनरी का इस्तेमाल करने में कसर बाकी नहीं रखते। एक फिल्म साबरमती रिपोर्ट को लेकर भाजपा और केंद्र सरकार के मंत्री गदगद नजर आ रहे हैं। वहीं दूसरी तरफ बीबीसी ने जब गोधरा कांड के बाद गुजरात में हुए दंगों को लेकर एक डॉक्यूमेंट्री बनाई तो न सिर्फ उसे प्रतिबंधित कर दिया गया, बल्कि आयकर विभाग ने बीबीसी पर छापे की कार्रवाई की। विक्रांत मैसी की दि साबरमती रिपोर्ट को हरियाणा, छत्तीसगढ़ के साथ ही अब मध्य प्रदेश में भी टैक्स फ्री कर दिया गया है। इन तीनों राज्यों में भाजपा की सरकारें हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और अमित शाह की तारीफ के बाद राजनीतिक महकमों में भी इसकी चर्चा बढ़ गई है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा फिल्म को देखने के बाद इसकी सराहना की गई। विक्रांत मैसी की फिल्म दि साबरमती रिपोर्ट की केंद्रीय भूमिका वाली यह फिल्म 27 फरवरी, 2002 के गोधरा ट्रेन अग्निकांड पर आधारित है। गोधरा स्टेशन के पास खड़ी साबरमती एक्सप्रेस की बोगी नंबर एस-6 में आग लगा दी गई थी। अयोध्या से लौट रहे 59 हिंदू कारसेवक जिंदा जल गए थे। मरने वालों में 27 महिलाएं और 10 बच्चे भी शामिल थे। उसके बाद पूरे गुजरात में जो दंगा भडका, वह आजाद भारत के सबसे भयावह दंगों में से एक था। मोदी उस समय गुजरात के मुख्यमंत्री थे। अब दि साबरमती रिपोर्ट के जरिए बड़े पर्दे पर गोधरा कांड का खौफनाक मंजर दिखा है। पीएम मोदी के अलावा केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह समेत तमाम मंत्रियों और बीजेपी नेताओं ने दि साबरमती रिपोर्ट की प्रशंसा की है। गोधरा में ट्रेन जलाए जाने की भयानक घटना का परिणाम पूरे राज्य में हिंसक दंगों की शक्ल में सामने आया। पूरा गुजरात जल उठा था। केंद्र सरकार ने 2005 में राज्यसभा को बताया था कि दंगों में 254 हिंदुओं और 790 मुसलमानों की जान गई थी। कुल 223 लोग लापता बताए गए थे। हजारों लोग बेघर भी हो गए थे। तत्कालीन मोदी सरकार ने एक जांच आयोग का गठन किया था। उस आयोग में जस्टिस जीटी नानावटी और जस्टिस केजी शाह शामिल थे। आयोग ने अपनी रिपोर्ट में कहा कि मारे गए 59 लोगों में से अधिकतर कारसेवक थे। कांग्रेस के नेतृत्व वाली यूपीए सरकार ने जस्टिस यूसी बनर्जी की अध्यक्षता में एक अलग जांच आयोग का गठन किया। इस आयोग ने मार्च 2006 में सौंपी अपनी रिपोर्ट में इस घटना को एक दुर्घटना बताया। सुप्रीम कोर्ट ने रिपोर्ट को असंवैधानिक और अमान्य करार देते हुए खारिज कर दिया। इसके बाद सुप्रीम कोर्ट ने एक विशेष जांच दल का गठन किया। गोधरा कांड और उसके बाद भडके दंगों ने भारत की राजनीति को हमेशा-हमेशा के लिए बदल दिया।

इस मामले में अदालती कार्रवाई जून 2009 से, घटना के आठ साल बाद शुरू हुई। स्पेशल एसआईटी कोर्ट ने 1 मार्च, 2011 को 31 लोगों को दोषी ठहराया, जिनमें से 11 को मौत की सजा और 20 को आजीवन कारावास की सजा सुनाई गई। अदालत ने इस मामले में 63 लोगों को बरी भी किया। एसआईटी कोर्ट ने उन आरोपों से सहमति जताई कि यह अनियोजित भीड़ द्वारा की गई घटना नहीं थी, बल्कि इसमें साजिश शामिल थी। 31 दोषियों को भारतीय दंड संहिता की आपराधिक साजिश, हत्या और हत्या के प्रयास से संबंधित धाराओं के तहत दोषी ठहराया गया था। गुजरात सरकार ने बाद में आरोपियों को बरी किए जाने पर सवाल उठाए।

जिन्हें दोषी ठहराया गया, उन्होंने भी गुजरात हाई कोर्ट में अपील की। हाई कोर्ट ने मामले में कुल 31 दोषियों को दोषी ठहराया था और 11 दोषियों की मौत की सजा को आजीवन कारावास में बदल दिया था। अब मामला सुप्रीम कोर्ट के सामने है। गुजरात सरकार ने 11 दोषियों की मौत की सजा को आजीवन कारावास में बदलने के खिलाफ अपील की है, कई दोषियों ने मामले में उनकी दोषसिद्धि को बरकरार रखने के उच्च न्यायालय के फैसले को चुनौती दी। केंद्र सरकार और भाजपा जहां गोधराकांड पर बनी फिल्म को सच सामने लाने वाला बताते हुए तारीफ कर रही हैं, वहीं वर्ष 2023 में गुजरात दंगों पर बीबीसी के बनाए वृत्त चित्र को न सिर्फ प्रतिबंधित कर दिया गया था, बल्कि आयकर विभाग ने बीबीसी के परिसरों में छापे की कार्रवाई की थी। बीबीसी डॉक्यूमेंट्री इंडिया दि मोदी क्वेश्चन दो भागों वाली एक श्रृंखला थी। यह जनवरी में यूके में प्रसारित हुई थी। इसमें बताया गया कि 2014 में मोदी के निर्वाचित होने के बाद से, उनकी भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सरकार ने हिंदू-केंद्रित नीतियों को अपनाया है, जिन पर दक्षिणपंथी धार्मिक राष्ट्रवादी एजेंडे के तहत भारत के 200 मिलियन मुसलमानों को निशाना बनाने और उनके साथ भेदभाव करने का आरोप लगाया गया है, जो भारत को इसकी धर्मनिरपेक्ष नींव से दूर ले जा रहा है। मोदी सरकार की ओर से इस मामले में त्वरित और स्पष्ट प्रतिक्रिया आई। विदेश मंत्रालय की साप्ताहिक प्रेस कॉन्फ्रेंस में प्रवक्ता ने कहा कि इस डॉक्यूमेंट्री में पूर्वाग्रह और निष्पक्षता की कमी तथा औपनिवेशिक मानसिकता स्पष्ट रूप से दिखाई दे रही है। बीबीसी पर सरकार विरोधी एजेंडा चलाने का आरोप लगाया गया। इसके बाद आयकर विभाग के एक दर्जन से ज्यादा अधिकारियों ने बीबीसी के मुंबई और नई दिल्ली स्थित दफ्तरों पर छापा मारा। इसे उन्होंने सर्वेक्षण बताया। कर चोरी की जांच के तहत फोन और लैपटॉप जब्त कर लिए गए और दफ्तरों को सील कर दिया।

इससे जाहिर है कि सत्तारूढ़ दलों के नेताओं को सिर्फ मनमाफिक एजेंडे वाले कार्यक्रम ही सुहाते हैं। इसमें कोई भी राजनीतिक दल पीछे नहीं है। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पर जब कभी विपक्षी दलों के खिलाफ हिंसा करवाने के आरोप लगे, तब इसे भाजपा और मीडिया की साजिश करार दिया गया। यही हाल दूसरे राज्यों की क्षेत्रीय दलों की सरकारों का है। विपक्षी दल और मीडिया जब कभी सत्तारूढ़ दलों के खिलाफ कोई खुलासा करते हैं, तब उन्होंने प्रताड़ना का सामना करना पड़ता है। इसका प्रमाण यह है कि मुख्यमंत्री ममता बनर्जी का एक कार्टून बनाने पर कार्टूनिस्ट को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया था। तमिलनाडु में तत्कालीन मुख्यमंत्री जे जयललिता ने राज्य विधानसभा से 43 विपक्षी सदस्यों को निष्कासित कर दिया और उन्हें कुछ समय के लिए जेल में डाल दिया। जब अंग्रेजी के एक अखबार ने उनके कार्यों की आलोचना करते हुए दो लेख और एक संपादकीय चलाया, तो जयललिता ने जवाब में समाचार पत्र के खिलाफ 17 अलग-अलग आपराधिक मानहानि के मामले दर्ज कराए। जाहिर है कि राजनीतिक दलों के नेताओं के कारनामे उजागर करने पर कानून की चाबुक चलाने में कोई भी पीछे नहीं है। सच्चाई की तलाश में किए गए ऐसे प्रयासों पर नेताओं की टेढ़ी नजर रहती है।

आयकर विभाग ने करदाताओं को दी ये सलाह

आईटीआर में विदेशी आय-संपत्ति की सावधानीपूर्वक समीक्षा करने जरूरत

केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड (सीबीडीटी) ने करदाताओं को विदेशी आय और संपत्तियों की सावधानीपूर्वक समीक्षा करने और आईटीआर में सही तरीके से रिपोर्ट करने की सलाह दी है। आयकर विभाग ने ह्यसंवादह्ल के विशेष संस्करण में जागरुकता संदेश देते हुए आईटीआर में विदेशी आय और परिसंपत्तियों की सही तरीके से रिपोर्टिंग की जरूरत भी बताई।

इस दौरान सीबीडीटी के आयुक्त (जांच) शशि भूषण शुक्ला ने बताया कि सभी भारतीय निवासियों को अपनी विदेशी परिसंपत्तियों की घोषणा करना आवश्यक है। इसमें अचल संपत्ति, बैंक खाते, शेयर, डिबेंचर, बीमा पॉलिसी या कोई अन्य वित्तीय परिसंपत्तियां शामिल हो सकती हैं। उन्होंने कहा कि आयकर विभाग ने आईटीआर फॉर्म में इसके लिए विवरण भी दिया है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि यह नियम आयकर अधिनियम की धारा 6 के तहत बताये गए निवासी करदाताओं पर विशेष रूप से लागू होता है।

इस दौरान निवासी करदाताओं को परिभाषित करते हुए शुक्ला बताया कि निवासी करदाता वह व्यक्ति होता है जो पिछले वर्ष के दौरान कम से कम 182 दिनों के लिए भारत में रहा हो या जो पिछले चार वर्षों के दौरान 365 दिनों के लिए भारत में रहा हो। जो करदाता इन मानदंडों को पूरा नहीं करते हैं, उन्हें या तो गैर-निवासी माना जाता है या सामान्य रूप से निवासी नहीं माना जाता है। उन्हें विदेशी आय और संपत्ति घोषित करने की आवश्यकता नहीं होती है। उन्होंने कहा कि केवल निवासी करदाताओं को ही अपने आईटीआर में अपनी विदेशी आय और संपत्ति की रिपोर्ट करने की आवश्यकता है।

बढ़ते कृषि संकट पर सुप्रीम कोर्ट की समिति चिंतित

एमएसपी को कानूनी मान्यता देने पर विचार की सिफारिश

सुप्रीम कोर्ट की उच्चाधिकार प्राप्त समिति ने पिछले दो दशकों में हरियाणा, पंजाब समेत देश में कृषि लागत व कर्ज बढ़ने व उपज उत्पादन घटने पर चिंता जताई है। समिति ने सुप्रीम कोर्ट को सौंपी गई अपनी रिपोर्ट में न्यूनतम समर्थन मूल्य को कानूनी मान्यता देने और प्रत्यक्ष आय मदद की पेशकश की संभावना पर गंभीरता से विचार करने की सिफारिश की है।

शंभू सीमा पर आंदोलनरत किसानों की शिकायतों का समाधान करने के लिए सुप्रीम कोर्ट ने पंजाब और हरियाणा हाईकोर्ट के पूर्व न्यायाधीश नवाब सिंह के नेतृत्व में 2 सितंबर को उच्चाधिकार प्राप्त समिति का गठन किया था। शीर्ष अदालत ने कहा था कि किसानों के विरोध का राजनीतिकरण नहीं किया जाना चाहिए। जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस उज्जल भुइयां की पीठ ने शुक्रवार को समिति की अंतरिम रिपोर्ट को रिकॉर्ड में लिया। 11 पेज की अंतरिम रिपोर्ट में समिति ने कहा कि यह सर्वविदित तथ्य है कि देश में किसान विशेषकर पंजाब और हरियाणा में पिछले दो दशकों से अधिक समय से लगातार बढ़ते कृषि संकट का सामना कर रहा है। हरित क्रांति के प्रारंभिक उच्च लाभ के बाद 1990 के दशक के मध्य से उपज और उत्पादन वृद्धि में स्थिरता संकट की शुरूआत का संकेत है।

किसानों और कृषि श्रमिकों पर कर्ज कई गुना बढ़ा

समिति ने कहा कि हाल के दशकों में किसानों और कृषि श्रमिकों पर कर्ज कई गुना बढ़ गया है। वर्ष 2022-23 में पंजाब में किसानों का संस्थागत ऋण 73,673 करोड़ रुपये था, जबकि राष्ट्रीय कृषि एवं ग्रामीण विकास बैंक (नाबार्ड, 2023) के अनुसार, हरियाणा में यह 76,630 करोड़ रुपये से भी अधिक था। किसानों पर गैर-संस्थागत ऋण का एक महत्वपूर्ण बोझ है, जो राष्ट्रीय नमूना सर्वेक्षण संगठन (एनएसएसओ, 2019) के अनुसार पंजाब में किसानों पर कुल बकाया ऋण का 21.3 प्रतिशत और हरियाणा में 32 प्रतिशत होने का अनुमान है।

1995 से अब तक 4 लाख किसान कर चुके आत्महत्या

समिति ने रिपोर्ट में कहा कि देशभर में कृषक समुदाय आत्महत्या की महामारी से जूझ रहा है। देश में 1995 से लेकर अब तक 4 लाख से ज्यादा किसान और खेत मजदूर आत्महत्या कर चुके हैं। पंजाब में 2000 से 2015 के बीच 15 सालों में किसानों व खेत मजदूरों के बीच 16,606 आत्महत्याएं दर्ज की गईं। आत्महत्याओं का बड़ी वजह कर्ज का बोझ है। रिपोर्ट में कहा गया, कृषि उत्पादकता में गिरावट, उत्पादन लागत में इजाफा, अपर्याप्त मार्केटिंग सिस्टम और कृषि रोजगार में कमी ने कृषि आय को घटा दिया है। छोटे और सीमांत किसान व खेतिहर मजदूर इस आर्थिक संकट से सबसे अधिक प्रभावित हैं।

थाना कोतमा पुलिस द्वारा फर्जी फेसबुक आईडी बनाकर अनगरल टिप्पणी करने वाले को किया गया गिरफ्तार

यशपाल सिंह जाट । सिटी चीफ अनूपपुर, फरियादी राहुल जैन पिता स्वर्गीय राजेंद्र जैन उम्र 28 साल निवासी महावीर मार्ग कोतमा एवं लक्ष्मण प्रसाद तिवारी, रवि प्रकाश तिवारी, नितेश जैन के द्वारा सोशल मीडिया फेसबुक प्लेटफार्म में षडयंत्र पूर्वक फर्जी आईडी अनामिका शर्मा के नाम से बनाकर आवेदकों के खिलाफ अनगरल उनके व्यक्तिगत जीवन के बारे में आपत्तिजनक पोस्ट करना, जिससे आवेदकगण अपने आप को अपमानित एवं गलत कदम उठाने जैसी हालात होने, लोगों के व्यक्तिगत छवि को धूमिल करने के उद्देश्य से डरा धमका कर पोस्ट करने की शिकायत प्राप्त होने पर श्रीमान पुलिस अधीक्षक महोदय मोती उर रहमान के मार्गदर्शन में अनामिका शर्मा के नाम से बनी फर्जी फेसबुक आईडी की जानकारी साइबर सेल से प्राप्त किया गया जिसमें शशांक कुमार सराफ पिता नवल सराफ उम्र 25 साल निवासी गांधी चौक कोतमा के मोबाइल नंबर से उक्त आईडी जेनरेट होना पाए जाने से आरोपी शशांक कुमार सराफ के खिलाफ सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म में षडयंत्र पूर्वक फर्जी आईडी बनाकर आवेदकों के बारे व्यक्तिगत जीवन व को धूमिल करने उद्देश्य से अनगरल एवं धमकी देने आपत्तिजनक पोस्ट करने, आदि पाए जाने पर आरोपी के खिलाफ अपराध धारा 336(4),352, 351 (4) बी एस एस एवं 66(स्र) आईटी एक्ट के तहत अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया , दौरान विवेचना साइबर सेल के माध्यम से आरोपी शशांक कुमार सराफ पिता नवल सराफ उम्र 25 साल निवासी गांधी चौक कोतमा को दस्तयाब कर अपराध के संबंध में पूछताछ कर जिस मोबाइल से फर्जी फेसबुक आईडी अनामिका शर्मा के नाम से बनाया गया था उस मोबाइल को जप्त कर आरोपी को गिरफ्तार कर, जुर्म जमानती होने पर जमानत मुचलके पर रिहा किया गया. उक्त कार्रवाई में थाना प्रभारी सुंद्रेश सिंह, उप निरीक्षक अकबर खान, दशरथ बागरी , सहायक उप निरीक्षक बृजेश कुमार पांडे, प्रधान आरक्षक संजीव त्रिपाठी, रामखेलावन यादव, दिनेश राठौर, आरक्षक शुभम ,अभय त्रिपाठी, दिनेश एवं साइबर सेल प्रधान आरक्षक राजेंद्र अहिरवार, आरक्षक राजेंद्र केवट की महत्वपूर्ण भूमिका रही है । अनूपपुर पुलिस की ओर से सावधान, सावधान, सावधान, अब फर्जी फेसबुक आईडी इंस्टाग्राम ,टेलीग्राम एवं अन्य सोशल मीडिया से संबंधित फर्जी आईडी बनाकर किसी के बारे में पोस्ट करने वाले सतर्क हो जाएं पुलिस हर किसी अज्ञात व्यक्ति को ज्ञात कर सलाखों के पीछे भेज सकती है, अब अगली बार आपकी बारी।

पैरो पर खड़े होने वाली शिक्षा प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने देश को दी- शिक्षा मंत्री उदय प्रताप सिंह

स्वदेशी मेला समापन में मंत्री द्वय हुए शामिल, की मेले की सराहना

धीरज कुमार अहीरवाल । सिटी चीफ दमोह, दमोह प्रदेश के पंचायत और ग्रामीण विकास, श्रम मंत्री प्रहलाद सिंह पटेल तथा प्रदेश के परिवहन एवं स्कूल शिक्षा विभाग मंत्री उदय प्रताप सिंह आज तहसील ग्राउंड में चल रहे स्वदेशी मेले के समापन कार्यक्रम में पहुँचे। प्रदेश के पंचायत और ग्रामीण विकास, श्रम मंत्री प्रहलाद सिंह पटेल ने स्वदेशी मेले को संबोधित करते हुए कहा हमें भारतीय संस्कृति पर गर्व हैं, हमने हथियार बनाए हैं, लेकिन उन पर मर्यादा का जो चरित्र होना चाहिए, संस्कार होना चाहिए, वह भारत के स्वदेशी परंपरा में हैं। उन्होंने कहा हमारी आत्मा में हमने समर्थ को स्वीकार किया हैं, लेकिन उसके साथ हमने त्याग के दंड को सिर पर रखकर यह तय किया कि वह प्रकृति के खिलाफ ना जा सके, स्वदेशी आंदोलन सिर्फ इसी उद्योग जगत का आंदोलन नहीं था। यह स्वदेशी आंदोलन या स्वदेशी मेला उन भावनाओं को मजबूत करने के लिए है, जो पहले सुनते नहीं थे, गांधी जी ने भी एक कोशिश की थी, उन्होंने कहा था कि स्वदेशी के प्रति हमारा आग्रह है बढ़ाना चाहिए, कम नहीं होना चाहिए। इस स्वदेशी की सामर्थ के लेकिन उसके बावजूद भी हमारी पीढ़ियां दर पीढ़ियां आई गई और पाश्चात्य से प्रभावित होती गई। मंत्री पटेल ने कहा हमने स्वदेशी के विचार को कहीं ना कहीं कमजोर करने की जो गलती की थी, आज फिर से पूरी दुनिया इस बात को मानती है कि यदि कोई दुनिया में भुखमरी से बचा सकता है, अगर दुनिया में दोनों हाथों से रोजगार देने की कोई विधा है, जो संतुलित विकास को रास्ता देती है, वह हमारे स्वदेशी आंदोलन की मूल आत्मा है। उन्होंने कहा मानव जाति की भविष्य के बारे में कोई दिशा और भविष्य शांति का दिखता नहीं वहां जाने के बाद भी मैं आज गर्व के साथ कहूंगा वह विचार जो 100 साल पहले इस धरती पर आया और जिसने कहा ठीक है सत्ता चलाने वाले सत्ता चलाएंगे लेकिन समाज बनाने का काम कोई तो करेगा आज उनकी असमर्थ थी इसका एक हिस्सा जो स्वदेशी आंदोलन का हिस्सा है, उसमें दमोह की धरती पर 1842 की क्रांति की जगह है, वहां पर अपने सफलता के साथ यह आयोजन किया। मैं आपको डॉक्टर सोनल राय सेन और उनकी पूरी टीम को हृदय से बधाई देता हूं इसकी प्रेरणा क्षेत्रीय संगठन मंत्री केशव की है, उनकी टीम की है, उनको भी शुभकामनाएं देता हूं। उन्होंने सभी से आग्रह करते हुए कहा यहां से स्वदेशी का संकल्प लेकर जरूर जाइए। इस अवसर पर प्रदेश के परिवहन एवं स्कूल शिक्षा विभाग मंत्री उदय प्रताप सिंह ने स्वदेशी मेले को संबोधित करते हुए कहा स्वदेशी के कॉन्सेप्ट को उतार कर स्व-रोजगार के साथ जीवन में कैसे आगे बढ़ाए, इसका पूरा लवो-लवाब देश की शिक्षा नीति में हैं, उस पर भी कार्य किया जा रहा हैं। उन्होंने कहा पैरो पर खड़े होने वाली शिक्षा प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने देश को दी है। प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री नई शिक्षा नीति को लगातार लागू करने में फोकस होकर कार्य कर रहे हैं। उदय सिंह ने कहा स्वदेशी हमारी शिक्षा में समाहित होगी, विषय वस्तु होगी, शिक्षा में ज्ञान का आधार होगी, स्वदेशी जिस पर आगे आने वाले समय में कार्य किया जायेगा। उन्होंने कहा मोदी देश के प्रधानमंत्री बनते ही स्किल इंडिया, स्टार्ट-अप इंडिया का कॉन्सेप्ट इस देश में लेकर के आए थे, जिन नौजावनो ने स्व-रोजगार में आगे बढ़े, हिम्मत दिखाई वो आज समाज में स्थापित हो गए। उन्होंने कहा इस देश में जब तक व्यक्ति स्व-रोजगार के अलावा अपना खुद का व्यवसाय नहीं करते जीवन में सफल नहीं होते हैं। इस अवसर पर अन्य अतिथियों ने भी अपने विचार रखें। अतिथियों के स्वागत के पूर्व उदघोष जय स्वदेशी, जय-जय स्वदेशी का नारा दिया गया। अतिथि परिचय व सम्मान (स्मृति चिन्ह, माला, अंग वस्त्र) से किया गया। इसके उपरांत दमोह के विभिन्न प्रतिभाशाली व्यक्तियों का सम्मान, संचालन समिति व व्यवस्था समिति का परिचय, आभार किए जाने के उपरांत गणेश वंदना रनवेंद्र वाराणसी टीम द्वारा प्रस्तुत की गई। इस दौरान पुरस्कार वितरण व सम्मान आयोजित किया गया। कार्यक्रम का संचालन डॉ मोनिका पालीवाल तथा आभार प्रताप पटेल द्वारा किया गया।

शहडोल पंडित शंभूनाथ विश्वविद्यालय के कुलपति पर छात्रों ने लगाए गंभीर आरोप

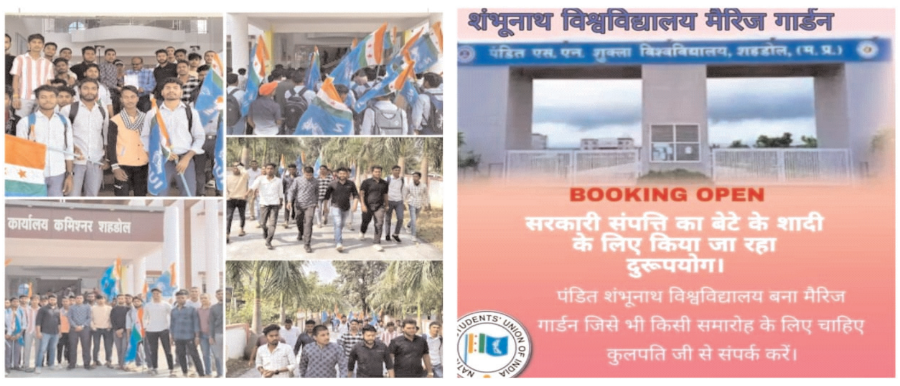

यशपाल सिंह जाट । सिटी चीफ अनूपपुर, एनएसयूआई जिलाध्यक्ष सौरभ तिवारी ने पंडित शंभूनाथ शुक्ला विश्वविद्यालय के कुलपति द्वारा सरकारी संपत्ति के दुरुपयोग करने का आरोप लगाते हुए इस मामले को लेकर महामहिम राज्यपाल महोदय के नाम शहडोल कमिश्नर के माध्यम से सौंपा शिकायत पत्र पंडित शंभूनाथ विश्वविद्यालय के कुलपति द्वारा सरकारी संपत्ति का बेटे के शादी के लिए किया जा रहा दुरुपयोग। सोर सराबा करके किया जा रहा छात्रों के पढ़ाई के साथ खिलवाड़। जो छात्रावास आज तक छात्रों के लिए नही खोला गया उस छात्रावास को मेहमानो के लिए किया गया वीआईपी सुविधाओं से युक्त। विश्वविद्यालय की नहीं हुई सालो से सफाई, कुलपति के बेटे की शादी के लिए चमकाया गया पूरा विश्वविद्यालय।

कलेक्टर ने जिले के हटा विकासखंड अंतर्गत दूरस्थ आदिवासी बाहुल्य ग्राम घोघरा पहुंचे

रात में चौपाल लगाकर ग्रामीणों की सुन रहे हैं समस्याएं

धीरज कुमार अहीरवाल । सिटी चीफ दमोह, कलेक्टर सुधीर कुमार कोचर आज जिले के हटा विकासखंड अंतर्गत दूरस्थ आदिवासी बाहुल्य ग्राम घोघरा पहुंचे। इस दौरान एसडीएम राकेश मरकाम खास तौर पर मौजूद थे। कलेक्टर कोचर ने ग्रामीणों से पूछा बच्चों को टीके लगे या नहीं ग्रामीणों ने बताया बच्चों को टीके लगे हुए हैं। कलेक्टर कोचर ने कहा बच्चों को टीका लगने के बाद बुखार आना चाहिए तभी टीका कारगर है। हमें बच्चों को बीमारियों से बचाना है इसलिए बच्चों को टीका लगाना जरूरी है। यहां पर जो लड़कियां हैं 12 साल 15 साल की एक भी बिटिया कमजोर ना रहे इनका आयरन की गोलियां देना आवश्यक है। महिला यदि कमजोर रहेंगे और जब मां बनेगी तो बड़ी परेशानी आएगी इसलिए इन बेटियों महिलाओं को आंगनबाड़ी केंद्र स्वास्थ केंद्र में भेज कर दवाई जरूर लेनी चाहिए। उन्होंने कहा आपके ग्राम में भगवान की दया से सब सुविधाएं अच्छी हैं। महिला बच्चे बच्चियों की देखभाल बहुत जरूरी है। कलेक्टर कोचर ने आवास की सुविधाओं के संबंध में भी जानकारी ली। कलेक्टर ने ग्रामीणों से कहा आप सबको जिस संबंध में ही बात करना हो मुझे से कर सकते हैं। मैं रात्रि विश्राम यही करूंगा और सुबह जाऊंगा। कलेक्टर ने स्वास्थ्य अमले से कहा ग्रामीण जनों के स्वास्थ्य की देखभाल जरूरी है, आप सब ग्रामीण क्षेत्र की जन की सेवा करें घर-घर जाकर लोगों से मिले उनके स्वास्थ्य की जानकारी ले,यह जरूरी है। कलेक्टर ने ग्रामवासियों से कहा झाड़ फूंक के चक्कर में न पड़ें। घोघरा ग्राम के निवासियों ने कलेक्टर के समक्ष अपनी समस्याएं रखी जिसका समाधान करने संबंधित अधिकारियों को दिए गए।

दिन में जगमगाती लाइटें, रात में अंधेरे में डूबा बरगवां अमलाई का वार्ड एक

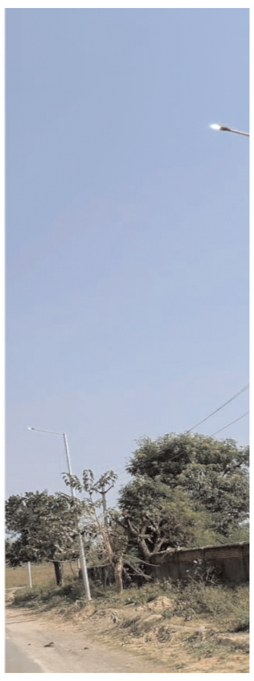

यशपाल सिंह जाट । सिटी चीफ अनूपपुर, बरगंवा अमलाई नगर परिषद् के वार्ड एक में मंदिर पहुंच मार्ग तक स्ट्रीट लाइट को लेकर इस समय गंभीर समस्या बनी हुई है। दिन के उजाले में तो स्ट्रीट लाइट जगमगाती रहती हैं, लेकिन रात होते ही पूरा इलाका अंधेरे में डूब जाता है। समुचित रोशनी न होने से स्थानीय निवासी साथ ही प्रतिदिन रात में आवागमन करने वालो को काफी परेशानी हो रही है, जिससे कई तरह की परेशानियां बढ़ गई हैं। रात में स्ट्रीट लाइट बंद रहने से स्थानीय लोगों को अंधेरे में ही आवागमन करना पड़ता है, जिससे दुर्घटनाएं होने की संभावना बढ़ जाती है। साथ ही समुचित रोशनी न होने से असामाजिक गतिविधियों को बढ़ावा मिल रहा है, जिससे स्थिति और भी खराब हो रही है। इसके अलावा, दिन में लगातार स्ट्रीट लाइट जलने से बिजली की बर्बादी भी हो रही है, जिससे नगर परिषद की कार्यकुशलता पर सवाल उठ रहे हैं। स्थानीय नागरिकों ने परिषद् के लंबे समय से चली आ रही लापरवाही पर निराशा जताते हुए तत्काल समाधान की मांग की है।

महाविद्यालय में मनाया 76वां एनसीसी स्थापना दिवस

रक्तदान के साथ हुए सांस्कृतिक कार्यक्रम

भगवान दास बैरागी । सिटी चीफ शाजापुर, प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस बीकेएसएन गवर्नमेंट कॉलेज शाजापुर में एनसीसी का 76वां स्थापना दिवस हर्षोउल्लास के साथ मनाया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में महाविद्यालय जनभागीदारी अध्यक्ष विपुल कसेरा मौजूद रहे। वहीं विशेष अतिथि डॉ एसडी जायसवाल थे। अध्यक्षता महाविद्यालय प्राचार्य डॉ बीएस विभूति ने की। कार्यक्रम की शुरूआत स्वामी विवेकानंद एवं मां सरस्वती के चित्र पर दीप प्रज्जवलित कर की गई। इस मौके पर कसेरा ने कहा कि एनसीसी एकता और अनुशासन के साथ-साथ देशभक्ति की भावना को भी विकसित करती है। विशेष अतिथि डॉ जायसवाल ने कैडेट्स को स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता लाने एवं रक्तदान करने के लिए प्रेरित किया। अध्यक्षीय उद्बोधन में महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ बीएस विभूति ने कहा कि एनसीसी को देश की द्वितीय रक्षा पंक्ति कहा जाता है, इसलिए कैडेट्स को अच्छे से ट्रैनिंग लेना चाहिए, ताकि जरूरत पडने पर वह देश सेवा के काम आ सकें। कार्यक्रम के दौरान एनसीसी कैडेट्स द्वारा रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया गया। सांस्कृतिक कार्यक्रम में भाग लेने पर सभी कैडेट्स को मैडल एवं एनसीसी प्रमाण पत्र की परीक्षा देने वाले कैडेट्स को स्मृति चिन्ह प्रदान कर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के पश्चात रवि मण्डोर, लोकेशसिंह राजपूत और केशव शर्मा ने स्वेच्छा से रक्तदान किया। इस अवसर पर डॉ दिनेश निंगवाल, डॉ बीके सोलंकी, प्रो प्रकाश बर्फा, प्रो दुष्यंत कुमार यादव, डॉ सुनील आडवानी, विनोद परमार, दुर्गेश रेंगे सहित एनसीसी कैडेटस उपस्थित थे। संचालन सीनियर अण्डर ऑफिसर सुशीला गामी ने किया तथा आभार कैप्टन डॉ वीपी मीणा ने माना।

एमएलबी में संकुल के शिक्षकों को दिया एक दिवसीय टैबलेट प्रशिक्षण

भगवान दास बैरागी । सिटी चीफ शाजापुर, शासकीय महारानी लक्ष्मीबाई कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में टैबलेट प्रशिक्षण का आयोजन किया गया। विद्यालय प्रभारी प्राचार्य मुकेश दुबे ने बताया कि मध्यप्रदेश शासन के द्वारा विद्यार्थियों को आधुनिक ढंग से शिक्षित करने के उद्देश्य शिक्षकों को टैबलेट खरीदने के हेतु निर्देशित किया गया था, जिसके बाद शिक्षकों ने टैबलेट खरीदे और उन्हें रविवार को एक दिवसीय प्रशिक्षण विद्यालय में दिया गया। इस दौरान शिक्षकों को टैबलेट से किस तरह से विद्यार्थियों को शिक्षित किया जा सकेगा और टैबलेट का उपयोग किस तरह से करना है इसकी जानकारी दी गई। प्रशिक्षण के दौरान प्रभारी प्राचार्य मुकेश दुबे ने बताया कि शिक्षकों को टैबलेट चलाने का प्रशिक्षण देने का मकसद उन्हें टैबलेट की तकनीक से जोडना और छात्रों को टेक्नोलॉजी से जोडना है, क्योंकि

इससे छात्रों में तकनीकी शिक्षा का विकास होगा और वे आसानी से अपनी पढ़ाई कर सकेंगे। प्रशिक्षण के दौरान शिक्षकों को यह भी बताया गया कि टैबलेट पर परीक्षण और अभ्यास बनाना और उन्हें वितरित करना आसान हो जाता है। शिक्षक संरचित प्रारूप में मूल्यांकन तैयार कर सकते हैं। टैबलेट पर सहज ज्ञान युक्त इंटरफेस होता है, जिससे प्रश्नों और उत्तर विकल्पों को आसानी से इनपुट किया जा सकता है। टैबलेट से त्वरित इन क्लास अभ्यास सत्र या व्यापक मूल्यांकन की सुविधा मिलती है। प्रशिक्षकों ने कहा कि शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रमों का उद्देश्य शिक्षकों को ऐसी तकनीकें और आधुनिक शिक्षण रणनीतियां सिखाना होता है, जिससे वे अपने छात्रों से बेहतर तरीके से जुड़ पाएं और यह सुनिश्चित हो कि सभी छात्र सीख रहे हैं और लाभान्वित हो रहे हैं। प्रशिक्षण में बड़ी संख्या में संकुल के शिक्षक मौजूद थे।

एक्सप्रेसिव विजन आनंदम आहार प्रदर्शनी का आयोजन

उमेश कुशवाहा । सिटी चीफ सतना, विगत दिनों एकेडमिक हाइट पब्लिक स्कूल सीनियर एवं जूनियर विंग में वार्षिक प्रदर्शनी का आयोजन किया गया जिसके मुख्य अतिथि कलेक्टर श्री अनुराग वर्मा जी एवं सीनियर विंग में मेडिकल कॉलेज डीन डॉ श्रीधर गर्ग रहे। बच्चों द्वारा भारतीय संस्कृति के साथ विभिन्न राज्यों के मॉडल दर्शाए गए तथा पारंपरिक विषयों के साथ ही विज्ञान , गणित , सामाजिक विज्ञान कला तथा कृषि उपकरण सहित शिल्प के साथ अन्य विषयों पर सृजनात्मकता के साथ अपने विचार प्रस्तुत किए । सामाजिक सरोकार के साथ ही समाज के सबसे अहम हिस्से जैसे हॉस्पिटल , बैंक , पुलिस स्टेशन आदि मॉडल ने बच्चों की क्रियाशीलता एवं रचनात्मकता के दर्शन हुए।

आनंदम आहार में बच्चों द्वारा बनाई खाद्य सामग्री व पारंपरिक वेश भूषा में परोसी गई ,अभिभावकों एवं विद्यालय परिवार ने उत्साह के साथ लुत्फ़ उठाया । इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य बच्चों में सृजनात्मकता, ज्ञान और व्यावहारिकता को बढ़ावा देना था। विद्यालय के चेयरमैन श्री शम्मी पुरी, डायरेक्टर श्री शास्वत पुरी, मैनेजमेंट हेड डॉ हिमानी सिंह, प्राचार्या श्रीमती रश्मि श्रीवास्तव, सुजाता साबू और उप-प्राचार्या श्रीमती सोनिया ओबेरॉय , रेणु वर्मा तथा सीनियर विंग में एकेडमिक डायरेक्टर सनातन अग्रवाल ने इस कार्यक्रम को सफल बनाने में छात्रों एवं विद्यालय परिवार को शुभकामनाएं प्रेषित की ।

सांसद इमरान की अध्यक्षता में दिशा की बैठक में हुई विभागवार समीक्षा

स्मार्ट सिटी मिशन एवं जल जीवन मिशन की बैठक अलग से कराने के निर्देश

गौरव सिंघल । सिटी चीफ सहारनपुर। सांसद इमरान मसूद की अध्यक्षता में विकास भवन सभागार में जिला विकास समन्वय एवं अनुश्रवण समिति दिशा की बैठक आहूत की गयी।बैठक में महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार योजना (मनरेगा), राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन, प्रधानमंत्री ग्राम सडक योजना, राष्ट्रीय सामाजिक सहायता कार्यक्रम, प्रधानमंत्री आवास योजना शहरी, प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण, स्वच्छ भारत मिशन ग्रामीण, राष्ट्रीय ग्रामीण पेयजल कार्यक्रम, दीनदयाल उपाध्याय ग्राम ज्योति योजना, अटल मिशन फोर रैजुवेशन एण्ड अर्बन ट्रांसफोरमेशन, स्मार्ट सिटी मिशन, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन, सर्व शिक्षा अभियान, कृषि योजना मृदा स्वास्थ्य कार्ड आदि योजनाओं की बिन्दुवार समीक्षा की गयी। सांसद एवं दिशा के अध्यक्ष इमरान मसूद ने स्मार्ट सिटी मिशन एवं जल जीवन मिशन से संबंधित प्रकरणों के निस्तारण के लिए उच्चाधिकारियों, जनप्रतिनिधियों एवं फर्म के पदाधिकारियों के साथ अलग से बैठक करवाने के निर्देश दिए। उन्होंने निर्देश दिए कि बैठक में अधिकारी पूर्ण जानकारी के साथ उपस्थित हों। उन्होंने कहा कि किसी भी कार्य के शिलान्यास एवं उद्घाटन के समय स्थानीय जनप्रतिनिधि को अनिवार्य रूप से आमंत्रित करते हुए यह भी सुनिश्चित किया जाए कि स्थानीय जनप्रतिनिधि का नाम शिलापट्ट पर अंकित हो। जल जीवन मिशन से संबंधित प्रकरणों पर जो पाईपलाइन टूटी हुयी है उन्हें यथाशीघ्र ठीक करवाने के निर्देश दिए ताकि पानी बर्बाद न हो और जनपदवासियों को शुद्ध पानी मिल सकें। उन्होंने निर्देश दिए कि जिन गांवों में कार्य पूर्ण हो चुका है और

ग्राम प्रधान से संतुष्टि प्रमाण पत्र मिल गया है उनकी विधानसभावार सूची उपलब्ध कराना सुनिश्चित करें। इसके साथ ही सड़कों को काटने में कटर का प्रयोग किया जाए। उन्होंने नगर निगम को निर्देश दिए कि नगर निगम में शामिल 32 गांवों में यथाशीघ्र मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराना सुनिश्चित करें। 32 गांवों में 24 घण्टे विद्युत आपूर्ति पर विधायक आशू मलिक ने संबंधित अधिकारियों को धन्यवाद दिया। इमरान मसूद ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि बैठक में जनप्रतिनिधियों द्वारा बताए गये प्रकरणों पर आगामी बैठक में प्रगति से अवगत कराएं। उन्होंने कहा कि ढमोला एवं काली नदी के किनारे बसे गांव में स्वास्थ्य कैम्प लगाते हुए वहां पानी की जांच भी कराई जाए। उन्होंने मुख्य चिकित्साधिकारी को निर्देश दिए कि जनपद में स्वास्थ्य सुविधाओं को प्रदान करने में आ रही समस्याओं से अवगत कराएं। प्रधानमंत्री आवास योजना के आवंटन की सूची सभी जनप्रतिनिधियों को उपलब्ध करवाई जाए। आगामी बैठक में विकास प्राधिकरण के अधिकारियों को भी बुलाया जाए। उन्होंने कहा कि विभागों को सौंपी गयी जिम्मदारियों का समय से निर्वहन सुनिश्चित किया जाए। जनहित के कार्यों में देरी और लापरवाही न बरती जाए। विकास कार्यों में पूरी पारदर्शिता से कार्य करें साथ ही सभी जनप्रतिनधियों को सरकारी कार्यों की समय से जानकारी उपलब्ध कराई जाए। इस अवसर पर जनप्रतिनिधियों द्वारा अपनी विधानसभा क्षेत्र में अंबेडकर स्टेडियम में बैडमिंटन कोर्ट, खाताखेडी का सौन्दर्यीकरण, हाईवे और रेलवे ट्रैक के समीम गांव में पेयजल पाईपलाईन, दाबकी जुनारदार में जलभराव की समस्या का स्थाई समाधान आदि आमजनमानस की समस्याओं से अधिकारियों को अवगत कराते हुए उनके यथाशीघ्र निस्तारण की बात कही गयी।

जिलाधिकारी मनीष बंसल ने अध्यक्ष महोदय सहित सभी जनप्रतिनिधियों का आभार प्रकट किया। उन्होंने कहा कि दिए गये निर्देशों का शत-प्रतिशत पालन किया जाएगा। अधिकारियों को अध्यक्ष एवं जनप्रतिनिधियों द्वारा उठाए गए मुद्दों पर त्वरित कार्यवाही करते हुए 01 माह के अंदर संबंधित जनप्रतिनिधि को अवगत कराने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि निर्माण कार्यों में शासनादेशों का शत-प्रतिशत अनुपालन हो। जिलाधिकारी मनीष बंसल ने कहा कि उनके द्वारा भी आगामी बैठक से पूर्व सभी निर्देशों के अनुपालन में की गयी कार्यवाही की समीक्षा की जाएगी। बैठक में सदस्य विधान परिषद शाहनवाज खान, विधायक रामपुर मनिहारान देवेन्द्र निम, विधायक सहारनपुर देहात आशू मलिक, समस्त ब्लॉक प्रमुख, मुख्य विकास अधिकारी सुमित राजेश महाजन, मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ प्रवीण कुमार, पीडी डीआरडीए प्रणय कृष्ण सहित संबंधित विभागों के वरिष्ठ अधिकारीगण एवं विधायकगणों के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

महाराष्ट्र विधानसभा और उत्तर प्रदेश उपचुनाव में भाजपा की जीत से गदगद भाजपा कार्यकर्ताओं ने जश्न मनाया

भारत माता की जयघोष के साथ मिष्ठान वितरित किया

गौरव सिंघल । सिटी चीफ सहारनपुर । देवबंद, महाराष्ट्र विधानसभा और उत्तर प्रदेश के उपचुनाव में भारतीय जनता पार्टी को मिली शानदार जीत से भाजपाई गदगद है। भाजपा कार्यकर्ताओं ने देवबंद नगर के शास्त्री चौक पर जीत का जश्न मनाते हुए भारत माता की जयघोष के साथ मिष्ठान वितरित किया। इस अवसर पर भाजपा नगर अध्यक्ष अरुण गुप्ता ने कहा कि उत्तर प्रदेश के उपचुनाव में नौ सीटों में से सात पर भाजपा ने विजय प्राप्त की। इतना ही नहीं महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में पार्टी की रिकार्ड जीत भाजपा की विचारधारा और सबका साथ, सबका विकास और सबका विश्वास नारे की सार्थकता की जीत है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से मिशन 2027 के लिए जी- जान से जुटने का आह्वान किया। इस अवसर पर विकास त्यागी, अभिषेक त्यागी, राजेश अनेजा, राममोहन सैनी ने भी विचार रखें। इस मौके पर अजय गर्ग, मुर्तजा कुरैशी, जोगेंद्र जाटव, रंजीत वाल्मीकि, अमित राणा, सुनील धीमान, मनीष त्यागी, अश्वनी मित्तल, विश्वकांत शर्मा, सौरभ बंसल, श्याम सिंह सैनी, सचिन सैनी, बबलू सैनी, राजीव धीमान, मोहम्मद सिराज, डा. सचिन, आलोक खटीक, सुमन धीमान, मोहम्मद रिजवान, अजय जाटव, मोहम्मद फैयाज, शहजाद अली, अब्दुल कादिर आदि मौजूद रहे।

जामिया तिब्बिया मेडिकल कालेज देवबंद में इंडक्शन प्रोग्राम का हुआ आयोजन

वक्ताओं ने केंद्र एवं राज्य सरकार द्वारा आयुष के उत्थान के लिए किए जा रहे कार्यों की जमकर सराहना की और छात्रों को अपना नाम के साथ हकीम/वैध लिखने के लिए प्रेरित किया

गौरव सिंघल । सिटी चीफ सहारनपुर। देवबंद, जामिया तिब्बिया मेडिकल कालेज देवबंद में कालेज प्रेरण कार्यक्रम (इंडक्शन प्रोग्राम) का समापन समारोह, व्हाइट कोट सेरेमनी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में वक्ताओं ने केंद्र एवं राज्य सरकार द्वारा आयुष के उत्थान के लिए किए जा रहे कार्यों की जमकर सराहना की और छात्रों को अपना नाम के साथ हकीम/वैध लिखने के लिए प्रेरित किया। हाईवे स्थित मेडिकल कालेज के ताहिर हॉल में आयोजित हुए कार्यक्रम में आयुर्वेदिक तथा यूनानी तिब्बी चिकित्सा पद्धति बोर्ड उत्तर प्रदेश के रजिस्ट्रार डा. अखिलेश कुमार ने 2024-25 बैच के छात्र-छात्राओं को सम्बोधित करते हुए कहा कि आज से आपकी नई जिंदगी की प्रारम्भ हो रही है। हमेशा अपने माता- पिता और शिक्षकों का सम्मान करते हुए लक्ष्य निर्धारित कर यूनानी पैथी को बढ़ाने का काम करें। भारत आयुर्वेद मेडिकल कालेज के प्रबंधक डा. अकरम ने कहा कि नए प्रवेशित छात्र-छात्राएं एनसीआईएसएम के निर्देशानुसार पाठ्यक्रम का अनुसरण करें। संस्था के पूर्व सचिव डा. अनवर सईद ने कहा कि आयुष चिकित्सकों के रिक्त पदों की पूर्ति करने के लिए केंद्र एवं राज्य सरकार का आभार व्यक्त किया। उन्होंने एनसीआईएमएस द्वारा शुरू किए गए इंडक्शन प्रोग्राम की भी सराहना की। कार्यक्रम में व्हाइट कोट सेरेमनी के तहत छात्र-छात्राओं को व्हाइट कोट भी पहनाए गए साथ ही इंडक्शन प्रोग्राम में शामिल होने वाले छात्र-छात्राओं और अध्यापकों को प्रशस्ति पत्र भेंट किए गए। संचालन डा. मोहम्मद कलीम ने किया। कालेज के सचिव डा. अख्तर सईद ने सभी का आभार जताया। इस मौके पर प्राचार्य प्रो. अनीस अहमद, डा. फखरुल इस्लाम, डा. रिफत अली, डा. नवेद अख्तर, डा. फुरकान, डा. आसिफ, डा. आजम, डा. मुजम्मिल, डा. जाफर, डा. जुवेरिया, आमिर सईदी आदि मौजूद रहे।

मुर्तीजापुर मतदार संघ बीजेपी उमेदवार श्री हरीश भाऊ मारुती आप्पा पिंपळे यांचा दणदणीत विजय

बंजारा समाज पप्पू चव्हाण व संदीप राठोड व बार्शीटाकळी व मुर्तीजापुर तालुक्यातील बंजारा समाज धावले मदतीला

संजय चव्हाण । सिटी चीफ अकोला । महाराष्ट्र, मुर्तीजापुर मतदार संघ आमदार हरीश भाऊ पिंपळे यांना निवडून आणण्याचा चंग बांधलेल्या बंजारा समाजाने मोठ्या ताकतीने बीजेपीला मोठ्या मतदाराने विजय करण्याचे यश मोठ्या प्रमाणात आहे बंजारा समाजाचे नेते पप्पू भाऊ चव्हाण संदीप भाऊ राठोड प्राध्यापक मधुकर पवार ग्रामपंचायत सदस्य विजय जाधव माजी सरपंच अरविंद राठोड जिल्हा परिषद सदस्य रायसिंग राठोड व बंजारा समाजातील सर्व नेते बीजेपीच्या पाठीशी राहून विजयाचा रथ खेचून आणण्याचा सिंहाचा वाटा आहे तसेच बंजारा समाजाला विधान परिषदेवर महंत बाबू सिंगजी राठोड

महाराज यांना विधान परिषदेवर घेतल्यामुळे बंजारा समाजाला न्याय बंजारा समाजातील नेते भाजपमध्ये मोठ्या प्रमाणात आहेत बंजारा समाज मुर्तीजापुर मतदारसंघांमध्ये गावोगावी फिरवून आमदार साहेबाला निवडून आणण्याकरिता परिश्रम घेतले व समाजाने चंग बांधला मुर्तीजापुर मतदारसंघांमध्ये बीजेपी ला आणायचा आहे माझ्या तमाम बंजारा बांधवांना पप्पू चव्हाण गव्हर्नमेंट कॉन्ट्रॅक्टर यांच्याकडून धन्यवाद पोरा देवी येथे भारताचे पंतप्रधान नरेंद्र मोदी साहेब स्वत: येऊन भेट दिली कर्तव्यदक्ष मुख्यमंत्री साहेब उपमुख्यमंत्री साहेब संजू भाऊ राठोड मंत्री साहेब संपूर्ण मंत्री गण भारत सरकार बंजारा समाजाच्या नंगारा भवन ला हजेरी लावली बंजारा समाजाला दिशादर्शक म्हणून मुख्यमंत्री शिंदे साहेब देवेंद्र फडणीस साहेब उपमुख्यमंत्री अजित दादा पवार साहेब संपूर्ण भारत सरकार बंजारा समाजाचा विकासाकरिता धावून आले बंजारा समाजाने तन-मन-धनाने बीजेपी सरकारला सहकार्य केले मतदान करून आमचे लाडके आमदार हरीश भाऊ मारुती अप्पा पिंपळे यांना भरघोस मताने निवडून दिले आमदार साहेबांनी बंजारा समाजाच्या विकासाकरिता लक्ष घालावे अशी जनतेची मागणी होत आहे.

रवि राठी ठरले भाजपसाठी संजीवनी

रवि राठी यांनी भाजपला दिला होता पाठिंबा

संजय चव्हाण । सिटी चीफ

मुर्तीजापुर, मुर्तीजापुर विधानसभा निवडणुकीत रवी राठी सर्व कडे चर्चेचा विषय ठरले होते यावेळेस रवि राठी मुर्तीजापुर विधानसभा मतदारसंघाचे गेम चेंजर ठरल्याने यावेळेस पुन्हा भाजपला नवसंजीवनी मिळाली आहे मागील वेळेस राष्ट्रवादी काँग्रेस पार्टी कडून विधानसभा निवडणूक लढवलेले रवी राठी यांना 42000 हजार एवढे मताधिक्य भेटले होते यावेळेस राष्ट्रवादीने त्यांची तिकीट कापल्यामुळे त्यांनी वेळेवरच भाजपमध्ये प्रवेश केला होता मात्र भाजपचा राजीनामा न देता त्यांनी अपक्ष उमेदवारी घेत मतदार संघात दंड थोपातला होता यामुळे सर्व जनता संभ्रमात होती मात्र रवी राठी यांना भाजपच्या वरिष्ठांनी हरीश पिंपळे यांचे काम करण्यासाठी आदेश दिला होता राठी यांनी राष्ट्रवादी काँग्रेस पक्ष शरद पवार गटाचे मतदान घेण्यासाठी त्यांनी अपक्ष उमेदवारी दाखल केली होती आणि वरिष्ठांच्या आदेशावरून त्यांनी आमदार हरीश पिंपळे यांना छुपा पाठिंबा दिला होता त्यामुळे यावेळेस हरीश पिंपळे यांना मताधिक्यामध्ये वाढ झाली आहे यामागे रवी राठी हे या मतदारसंघाचे गेम चेंजर ठरले आहे त्यामुळे संपूर्ण मतदारसंघात रवी राठी यांच्या नावाची चर्चा सध्या दिसून येत आहे आज झालेल्या निकालामध्ये वंचित बहुजन आघाडीचे डॉ.सुगत वाघमारे 49224 मते मिळाली तर राष्ट्रवादी काँग्रेस पार्टी शरद पवार गट सम्राट डोंगरदिवे यांना 55321 मते मिळाली, भाजा हरीश पिंपळे यांना 91084 मताधिक्की मिळाली आहे यामध्ये सर्वाधिक रवी राठी यांचे मताधिक्य यांचा फायदा हरीश पिंपळे यांना झाला आहे त्यामुळे हरीश पिंपळे मोठ्या मताधिक्यांनी मुर्तीजापुर विधानसभा मतदारसंघातून निवडून आले आहे याचे श्रेय रवी राठी यांच्याकडे जात आहे त्यामुळे संपूर्ण मतदारसंघात यांची चर्चा सध्या सुरू आहे.

अगर दुनिया में दोनों हाथों से रोजगार देने की कोई विधा है, जो संतुलित विकास को रास्ता देती है, वह हमारे स्वदेशी आंदोलन की मूल आत्मा है-पंचायत मंत्री प्रहलाद सिंह पटेल

पैरो पर खड़े होने वाली शिक्षा प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने देश को दी- शिक्षा मंत्री उदय प्रताप सिंह

स्वदेशी मेला समापन में मंत्री द्वय हुए शामिल, की मेले की सराहना

दमोह प्रदेश के पंचायत और ग्रामीण विकास, श्रम मंत्री श्री प्रहलाद सिंह पटेल तथा प्रदेश के परिवहन एवं स्कूल शिक्षा विभाग मंत्री उदय प्रताप सिंह आज तहसील ग्राउंड में चल रहे स्वदेशी मेले के समापन कार्यक्रम में पहुँचे। प्रदेश के पंचायत और ग्रामीण विकास, श्रम मंत्री श्री प्रहलाद सिंह पटेल ने स्वदेशी मेले को संबोधित करते हुए कहा हमें भारतीय संस्कृति पर गर्व हैं, हमने हथियार बनाए हैं, लेकिन उन पर मर्यादा का जो चरित्र होना चाहिए, संस्कार होना चाहिए, वह भारत के स्वदेशी परंपरा में हैं। उन्होंने कहा हमारी आत्मा में हमने समर्थ को स्वीकार किया हैं, लेकिन उसके साथ हमने त्याग के दंड को सिर पर रखकर यह तय किया कि वह प्रकृति के खिलाफ ना जा सके, स्वदेशी आंदोलन सिर्फ इसी उद्योग जगत का आंदोलन नहीं था। यह स्वदेशी आंदोलन या स्वदेशी मेला उन भावनाओं को मजबूत करने के लिए है, जो पहले सुनते नहीं थे, गांधी जी ने भी एक कोशिश की थी, उन्होंने कहा था कि स्वदेशी के प्रति हमारा आग्रह है बढ़ाना चाहिए, कम नहीं होना चाहिए। इस स्वदेशी की सामर्थ के लेकिन उसके बावजूद भी हमारी पीढ़ियां दर पीढ़ियां आई गई और पाश्चात्य से प्रभावित होती गई। श्री पटेल ने कहा हमने स्वदेशी के विचार को कहीं ना कहीं कमजोर करने की जो गलती की थी, आज फिर से पूरी दुनिया इस बात को मानती है कि यदि कोई दुनिया में भुखमरी से बचा सकता है, अगर दुनिया में दोनों हाथों से रोजगार देने की कोई विधा है, जो संतुलित विकास को रास्ता देती है, वह हमारे स्वदेशी आंदोलन की मूल आत्मा है। उन्होंने कहा मानव जाति की भविष्य के बारे में कोई दिशा और भविष्य शांति का दिखता नहीं वहां जाने के बाद भी मैं आज गर्व के साथ कहूंगा वह विचार जो 100 साल पहले इस धरती पर आया और जिसने कहा ठीक है सत्ता चलाने वाले सत्ता चलाएंगे लेकिन समाज बनाने का काम कोई तो करेगा आज उनकी असमर्थ थी इसका एक हिस्सा जो स्वदेशी आंदोलन का हिस्सा है, उसमें दमोह की धरती पर 1842 की क्रांति की जगह है, वहां पर अपने सफलता के साथ यह आयोजन किया। मैं आपको डॉक्टर सोनल राय जी सेन और उनकी पूरी टीम को हृदय से बधाई देता हूं इसकी प्रेरणा क्षेत्रीय संगठन मंत्री केशव जी की है, उनकी टीम की है, उनको भी शुभकामनाएं देता हूं। उन्होंने सभी से आग्रह करते हुए कहा यहां से स्वदेशी का संकल्प लेकर जरूर जाइए। इस अवसर पर प्रदेश के परिवहन एवं स्कूल शिक्षा विभाग मंत्री उदय प्रताप सिंह ने स्वदेशी मेले को संबोधित करते हुए कहा स्वदेशी के कॉन्सेप्ट को उतार कर स्व-रोजगार के साथ जीवन में कैसे आगे बढ़ाए, इसका पूरा लवो-लवाब देश की शिक्षा नीति में हैं, उस पर भी कार्य किया जा रहा हैं। उन्होंने कहा पैरो पर खड़े होने वाली शिक्षा प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने देश को दी है। प्रधानमंत्री जी और मुख्यमंत्री जी नई शिक्षा नीति को लगातार लागू करने में फोकस होकर कार्य कर रहे हैं। श्री सिंह ने कहा स्वदेशी हमारी शिक्षा में समाहित होगी, विषय वस्तु होगी, शिक्षा में ज्ञान का आधार होगी, स्वदेशी जिस पर आगे आने वाले समय में कार्य किया जायेगा। उन्होंने कहा श्री मोदी जी देश के प्रधानमंत्री बनते ही स्किल इंडिया, स्टार्ट-अप इंडिया का कॉन्सेप्ट इस देश में लेकर के आए थे, जिन नौजावनो ने स्व-रोजगार में आगे बढ़े, हिम्मत दिखाई वो आज समाज में स्थापित हो गए। उन्होंने कहा इस देश में जब तक व्यक्ति स्व-रोजगार के अलावा अपना खुद का व्यवसाय नहीं करते जीवन में सफल नहीं होते हैं। इस अवसर पर अन्य अतिथियों ने भी अपने विचार रखें। अतिथियों के स्वागत के पूर्व उदघोष जय स्वदेशी, जय-जय स्वदेशी का नारा दिया गया। अतिथि परिचय व सम्मान (स्मृति चिन्ह, माला, अंग वस्त्र) से किया गया। इसके उपरांत दमोह के विभिन्न प्रतिभाशाली व्यक्तियों का सम्मान, संचालन समिति व व्यवस्था समिति का परिचय, आभार किए जाने के उपरांत गणेश वंदना श्री रनवेंद्र वाराणसी टीम द्वारा प्रस्तुत की गई। इस दौरान पुरस्कार वितरण व सम्मान आयोजित किया गया। कार्यक्रम का संचालन डॉ मोनिका पालीवाल तथा आभार प्रताप पटेल द्वारा किया गया।

तेजज्ञान फाउण्डेशन का ध्यान महोत्सव उत्साह से संपन्न

बुरहानपुर

बुरहानपुर,हॅपी थॉट्स के नाम से पहचानी जानेवाली तेजज्ञान फाउण्डेशन एक आध्यात्मिक संस्था है, जिसने 25 साल पूरे किए हैं। इस खास अवसर पर प्रज्ञा हॉल, सेवा सदन महाविद्यालय, बुरहानपुर में आज 24 नवम्बर 2024 को %रजत जयंती ध्यान महोत्सव% (सिल्वर जुबली समारोह) का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का उद्घाटन श्रीमती तारिका विरेन्द्रसिंह ठाकुर (अध्यक्ष- सेवा सदन शिक्षा समिति, बुरहानपुर) एवं डॉ. के. पी. श्रोती (सुप्रसिद्ध नेत्र शल्य चिकित्सक, बुरहानपुर) के द्वारा किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत में तेजज्ञान फाउण्डेशन के ने फाउण्डेशन के संस्थापक तेजगुरु सरश्री और उनके आध्यात्मिक कार्य का परिचय दिया। उन्होंने समझाया कि बाहरी दुनिया में शांति लाने के लिए पहले हमें अपने अंदर शांति लानी होगी। उन्होंने बताया कि मोबाइल को थोड़ी देर के लिए दूर रखकर ध्यान करने से हमें जीवन में एक ठहराव मिलेगा और हमें असली खुशी का अनुभव होगा। इसके बाद तेजगुरु सरश्री का ध्यान पर मार्गदर्शन देनेवाला एक वीडियो दिखाया गया, जिसमें उन्होंने ध्यान क्यों और कैसे करना चाहिए, ध्यान के लाभ और 'मैं कौन हूँ?' जैसे सवालों पर विचार करने के महत्त्व पर प्रकाश डाला। सभी ने 21 मिनट का एक छोटा ध्यान भी किया, जिससे उन्हें आत्म-अनुभव का एहसास हुआ।इस कार्यक्रम में 200+ से ज़्यादा साधक और लोग उपस्थित थे। श्री श्रीमती तारिका विरेन्द्रसिंह ठाकुर मैडम एवं डॉ. के. पी. श्रोती सर ने अपने विचार साझा किए और साधना के लिए प्रेरित किया।कार्यक्रम का संचालन श्री विवेक शाह जी ने किया और उन्होंने फाउण्डेशन के 25 साल के सफर के बारे में बताया।अंत में लगभग सभी उपस्थित लोगों ने 21 दिन का ध्यान चैलेंज लेने का संकल्प लिया। इसके साथ ही तेजज्ञान फाउण्डेशन ने देश के लगभग 125 शहरों में ऐसे कार्यक्रम आयोजित किए हैं, जिससे ध्यान के माध्यम से पूरे देश में शांति और खुशी का वातावरण बन रहा है।

बदनावर में यात्री प्रतिक्षालय पर रंग पोतने को लेकर क्षेत्र की राजनीती गर्माई

बदनावर।

यात्री प्रतिक्षालय पर रंग पोतने को लेकर क्षेत्र की राजनीती गर्मा गई है। विधायक शेखावत के बने फोटो पर रंग पोतने पर 4 युवाओं को पकडा गया था। पकडे गये युवक दिलीप भुरिया ने सीइओ के कहने पर रंग पोतना स्वीकार करने पर भाजपा मैदान में उतर गई। आनन फानन में भाजपा ने बिना सोचे विचारे कांग्रेस को दोषी ठहराते हुए ज्ञापन देकर कार्यवाही की मांग की गई। जबकि वास्तविकता में कांग्रेस ने न तो प्रधानमंत्री और न ही मुख्यमंत्री के फोटो पर कलर पोता। विधानसभा चुनाव 2023 में निर्वाचन आयोग द्वारा सभी यात्री प्रतीक्षालय पर रंग पोता गया था। यह सच्चाई सामने आने पर भाजपा के ज्ञापन में लिखी बात हवा होती दिखायी दे रही है। भविश्य में किसी भी शासकीय संपति पर किसी नेता या मंत्री का फोटो नहीं लगेगा। नही राजनैतिक दल का रंग किया जा सकेगा। सरकारी संपति पर केवल सफेद रंग ही पोतने संबंधी नियम बताया गया है।

रंग पोतने में पकडाए भाजपाई कार्यकर्ता व सीइओ का नाम सामने आने पर भाजपा की किरकिरी हुई तो कांग्रेस के विरुध ज्ञापन दे दिया = मीडिया प्रभारी महेश पाटीदार

कांग्रेस जिला मीडिया प्रभारी महेश पाटीदार ने बताया कि विधानसभा चुनाव 2023 में निर्वाचन आयोग के निर्देश पर जिला निर्वाचन अधिकारी के मार्गदर्शन में विधानसभा निर्वाचन अधिकारी द्वारा जनप्रतिनिधियों द्वारा किए गये भूमि पूजन व लोकार्पण कार्यक्रम के शिलालेखों के साथ यात्री प्रतिक्षालय पर भी रंग रोगन कर लिखावट मिटा दी गई थी। भाजपा का यह आरोप पूरी तरह से निराधार है कि कांग्रेस ने प्रधानमंत्री व मुख्यमंत्री के फोटो पर रंग पोता जबकि वास्तविकता यह है कि बनाए गए यात्री प्रतीक्षालय पर ना तो प्रधानमंत्री का फोटो था ना ही मुख्यमंत्री का फोटो था! रंग पोतने में पकडाए भाजपाई कार्यकर्ता के पकडे जाने पर भाजपा की किरकिरी हो गई। भाजपा के एक नेता ने तो ज्ञापन देने के दौरान रंग पोतने वाली घटना की निश्पक्ष कार्यवाही करने वाले अधिकारी को बोरी बिस्तर बांधने की धमकी तक दी गई। यात्री प्रतिक्षालय पर कांग्रेस की और से प्रधानमंत्री व मुख्यमंत्री के फोटो पर रंग पोतने जैसा काम नहीं किया गया। विधायक भंवरसिंह शेखावत के मार्गदर्शन मे क्षेत्र में कई विकास कार्य किए गयें तथा आम जनता की समास्याओं का भी समुचित निराकरण किया जाता है। कांग्रेस विधायक के बढते ग्राफ से भाजपा छटपटा रही है। ऐसे में भाजपा के पास कोई ठोस मुद्दा नही होने के कारण छोटी छोटी बातों का बतंगढ बनाया गया। यात्री प्रतिक्षालय पर रंग पोतने को लेकर दिया गया ज्ञापन भी कुंठित सोच का प्रतीत होता है। इस संबंध में एसडीएम दीपक चौहान से चर्चा करने उन्होने कहा कि जिला योजना समिति द्वारा निर्देश मिले है कि शासकीय संपति पर किसी पार्टी या किसी मंत्री व जनप्रतिनिधि व अन्य व्यक्ति का फोटो नहीं लगाया जाएगा। साथ ही विधायक निधि से निर्मित यात्री प्रतिक्षालय को लेकर कहा कि निर्माण के बाद इसके रखरखाव की जिम्मेदारी संबंधीत ग्राम पंचायत व नगरीय निकाय की होगी। यात्री प्रतिक्षालय पर किसी भी दल का रंग नही पोता जाएगा। सभी शासकीय संपति पर केवल सफेद रंग ही पोता जा सकेगा। यात्री प्रतिक्षालय पर भी सफेद रंग पोत कर केवल जिस ग्राम पंचायत में है उसका केवल नाम लिखा जा सकेगा। किसी भी नेता या मंत्री का फोटो नहीं लगाया जा सकेगा।

76 वां NCC दिवस का आयोजन, NCC के अनुशासन और कड़ी मेहनत से निखरती है युवाओ की प्रतिभा- तफज्जुल हुसैन मुलायमवाला

बुरहानपुर,,मध्य प्रदेशबुरहानपुर में 76 वां नेशनल क्रेडेंट दिवस स्थानीय हकीमिया स्कुल में मनाया गया जिसमे कार्यक्रम की अध्यक्षता जिला शिक्षा अधिकारी श्री संतोष सिंह सोलंकी जी एवं यातायात सूबेदार श्री नागेंद्र जी सहित जिले भर की स्कूलों के NCC दल ने भाग लिया कार्यक्रम का संचालन तफ़जील जुनैद मुफ़्ती द्वारा किया गया।24 नवंबर रविवार को आयोजित 76 वें NCC दिवस पर मुख्य अतिथी तफज्जुल हुसैन मुलायम वाला एवं जिला शिक्षा अधिकारी श्री संतोष सिंह सोलंकी ने ध्वजारोहण कर जिले भर से NCC दल की परेड की सलामी ली।कार्यक्रम को संबोधित करते हुए समाज सेवी तफज्जुल हुसैन मुलायम वाला ने कहा कि देश भक्ति और देश सेवा के जुनून का पौधा लगाने का कार्य NCC द्वारा किया जाता है जो बाद में बड़ा होकर देश सेवा में अपना महत्वपूर्ण योगदान देता है।मुलायम वाला ने कहा कि NCC में भाग लेकर कड़ी मेहनत ओर अनुशासन से युवाओं की प्रतिभा निखरती है। NCC का अनुशासन और कड़ी मेहनत ही युवाओं को मज़बूती प्रदान करती है जिससे वो हर परिस्थितियों का सामना करने के काबिल बन जाते है।कार्यक्रम में स्किल एनीमिया पर श्री एवं श्रीमती डॉ. भार्गव ने अपने विचार व्यक्त किया साथ ही सड़क सुरक्षा पर यातायात सूबेदार नागेंद्र सिंह जी ने प्रकाश डाला और यातायात नियमों की जानकारी दी। इस अवसर पर राष्ट्रीय पत्रकार मोर्चा द्वारा NCC में युवाओं को निखारने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले जिले के NCC अफसरों सर्व श्री सुशील माहेश्वरी जी, संतोष सिंह ठाकुर जी, तफ़जील जुनैद मुफ़्ती जी, अतुल चौरे जी, लतीफ तड़वी जी, मोहम्मद अनीस जी, मनोज महाले जी, नरेंद्र शिन्दे जी, अभिजीत गौरे जी, हेमेंद्र दीक्षित जी, श्रीमती ममता शर्मा जी, तुलसी जुमड़े जी , तुषार पाठक जी ,मनोज पाटिल जी ,का राष्ट्रीय पत्रकार मोर्चे के द्वारा सम्मान पत्र देकर सम्मानित किया गया।

यूपी की दुल्हन के लिए अफ्रीका से आई बारात

विदेशी मेहमानों ने लिया भारतीय रस्मों का आनंद

नेशनल डेस्क. बुलंदशहर में हुई एक शादी इस समय खूब चर्चा का विषय बनी हुई है। इस शादी में एक खास बात ये थी कि कैलिफोर्निया की दुल्हन के लिए अफ्रीका से बारात बुलंदशहर आई थी। इस शादी में 12 से ज्यादा देशों के मेहमान शामिल हुए। सोशल मीडिया पर इस शादी से जुड़ी तस्वीरें और वीडियो तेजी से वायरल हो रहे हैं।

शादी भारतीय परंपरा के अनुसार हुई और इस दौरान भारतीय मंत्रों का उच्चारण भी किया गया। शादी में आए मेहमानों ने भारतीय वेशभूषा पहनी, जिसमें अधिकतर पुरुषों ने कुर्ता-पायजामा और महिलाओं ने लहंगा-चुन्नी पहना। सभी मेहमानों ने साफा भी पहना, जो भारतीय शादी की पारंपरिक पहचान है।

इस शादी का खास आकर्षण यह था कि इसमें विदेशी मेहमान शामिल हुए थे, जो भारतीय रीति-रिवाजों को देखकर बहुत खुश हुए। मेहमानों ने भारतीय व्यंजन का आनंद लिया और खूब मस्ती की। शादी के दौरान मेहमानों का स्वागत फूलों की वर्षा से किया गया। इसके बाद रात तक शादी की रस्में पूरी हुईं और सभी मेहमानों ने जमकर डांस किया।

यह शादी बुलंदशहर के स्याना क्षेत्र के मूलचंद त्यागी की बेटी सृष्टि की थी, जिनका विवाह अफ्रीका से आए दूल्हे से हुआ। मूलचंद त्यागी कैलिफोर्निया में इंजीनियर के पद पर काम करते हैं। वे 1987 में कैलिफोर्निया चले गए थे। जब उनकी बेटी सृष्टि की शादी तय हुई, तो उन्होंने पूरी शादी की रस्में अपने पैतृक गांव बुलंदशहर में भारतीय परंपरा के अनुसार संपन्न कराई।

इस शादी में कैलिफोर्निया की दुल्हन के साथ अफ्रीका से आई बारात ने बुलंदशहर में भारतीय रीति-रिवाजों के साथ सात फेरे लिए। शादी में हिंदी विवाह गीत गूंजते रहे और इस अनोखी शादी ने सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया।

हिंदी को वैश्विक महत्व मिलने से समावेशिता को बढ़ावा मिला, संयुक्त राष्ट्र राजदूतों ने कहा

इंटरनेशनल डेस्क- संयुक्त राष्ट्र के राजदूतों का कहना है कि हिंदी ने वैश्विक स्तर पर विशिष्ट पहचान हासिल की है और यह भौगोलिक सीमाओं को पार करते हुए व्यापक रूप से स्वीकार्य भाषा बन गई है जिससे समावेशिता को बढ़ावा मिला है। राजदूतों ने दुनिया भर में लोगों को जोड़ने और उन्हें सशक्त बनाने के लिए हिंदी को बढ़ावा देने की आवश्यकता पर बल दिया।

संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थायी मिशन ने हिंदी दिवस मनाने के लिए शुक्रवार को संयुक्त राष्ट्र मुख्यालय में एक विशेष कार्यक्रम आयोजित किया। इस कार्यक्रम में भारतीय सांसदों के प्रतिनिधिमंडल ने भाग लिया। भारत में हर साल 14 सितंबर को हिंदी दिवस मनाया जाता है।

संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थाई मिशन ने शुक्रवार को संरा मुख्यालय में हिंदी दिवस मनाया। भारतीय प्रतिनिधिमंडल में शामिल सांसद बीरेंद्र प्रसाद वैश्य ने इस कार्यक्रम में अपने भाषण के दौरान विभिन्न देशों में हिन्दी की लोकप्रियता पर प्रकाश डाला। इस कार्यक्रम में संयुक्त राष्ट्र के कई राजदूत और अधिकारी भी शामिल हुए।

संयुक्त राष्ट्र के वैश्विक संचार विभाग (डीजीसी) के निदेशक इयान फिलिप्स ने ''नमस्कार दोस्तों'' के साथ अपने संबोधन की शुरुआत की और हिंदी की वैश्विक पहुंच को ''वास्तव में प्रभावशाली'' बताते हुए कहा कि दुनिया भर में 60 करोड़ से यादा लोग हिंदी बोलते हैं। अंग्रेजी और मंदारिन के बाद हिंदी दुनिया में सबसे अधिक बोली जाने वाली तीसरी भाषा है। उन्होंने कहा कि संयुक्त राष्ट्र महासभा में पहली बार 1949 में हिंदी बोली गयी थी। फिलिप्स ने कहा, ''जब दुनिया में कृत्रिम बुद्धिमत्ता का बोलबाला है, ऐसे में भारत को इसमें प्रमुख भूमिका निभानी है और हिंदी भाषा अगली पीढ़ी के नेताओं का प्रतिनिधित्व करने वाले लाखों लोगों के साथ संवाद करने का प्रमुख माध्यम बनी हुई है।'' संयुक्त राष्ट्र में नेपाल के स्थायी प्रतिनिधि लोक बहादुर थापा ने कहा कि हिंदी ने भारत और नेपाल के बीच लोगों के आपसी संबंधों, जुड़ाव और संपर्कों को और अधिक विस्तारित और मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। उन्होंने कहा कि हिंदी ने विश्व के विभिन्न हिस्सों में शिक्षा, स्वास्थ्य, सामाजिक विकास और सामुदायिक सहभागिता सहित अनेक क्षेत्रों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। संयुक्त राष्ट्र में गुयाना की उप-स्थायी प्रतिनिधि त्रिशाला प्रसाद ने कहा कि उनके देश में हिन्दी शब्दों का इस्तेमाल रोजमर्रा की जिंदगी में किया जाता है। उन्होंने कहा, ''गुयाना में बोले जाने वाले कई हिंदी शब्द पूर्वी उत्तर प्रदेश और बिहार की भोजपुरी बोली से लिए गए हैं।'' संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थायी प्रतिनिधि पार्वथानेनी हरीश ने कहा कि हिंदी भारत के जीवंत सांस्कृतिक परिदृश्य का पर्याय बन गई है और यह ''हमारे प्रवासी समुदाय की ताकत और बॉलीवुड एवं शास्त्रीय साहित्य की प्रमुखता के बल पर'' भौगोलिक सीमाओं को पार कर दुनिया भर में एक लोकप्रिय भाषा के रूप में उभरी है। हरीश ने कहा कि भारत में 22 क्षेत्रीय भाषाएं और हजारों बोलियां हैं, लेकिन भाषाई रूप से विविधतापूर्ण देश में हिंदी का एक ''विशेष स्थान'' है। उन्होंने कहा कि हिंदी भारत में सबसे अधिक बोली जाने वाली भाषा है। डीजीसी के निदेशक फिलिप्स ने कहा कि हिंदी ने अंग्रेजी भाषा में 'जंगल', 'पजामा', 'बंगला, 'योग' और 'गुरु' जैसे शब्दों का योगदान दिया है। उन्होंने कहा, ''दुनिया के सबसे बड़े फिल्मोद्योग बॉलीवुड ने हिंदी और भारतीय संस्कृति को वैश्विक स्तर पर लोकप्रिय बनाया है।''

हाजियों से भरी बस मदीना एयरपोर्ट के पास पलटी, हादसे में बैतूल की अकीला बी की मौत

नेशनल डेस्क। मध्यप्रदेश के बैतूल जिले की रहने वाली महिला अकीला बी की मदीना में एक दर्दनाक बस दुर्घटना में मौत हो गई। वह उमराह करने के लिए मक्का-मदीना गई थीं जहां मदीना एयरपोर्ट के पास हाजियों से भरी एक बस पलट गई। इस हादसे में अकीला बी गंभीर रूप से घायल हो गईं और उनका एक हाथ ऑपरेशन करके काटना पड़ा।

इलाज के दौरान अकीला बी मौत

अकीला बी को घायल होने के बाद अस्पताल में आईसीयू में भर्ती कराया गया था जहां इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। यह घटना बैतूल जिले के लिए शोक का कारण बनी है, क्योंकि यह पहला मौका है जब किसी हाजी की मक्का-मदीना में मौत हुई है। अकीला बी बैतूल के गणेश चौक की रहने वाली थीं और भोपाल की एक ट्रैवल्स कंपनी ने उन्हें उमराह के लिए भेजा था।

हादसे की जानकारी मिलने के बाद अकीला बी के परिजन बैतूल से मक्का-मदीना के लिए रवाना हो गए हैं। अब यह तय किया जाएगा कि उनका शव बैतूल लाकर अंतिम संस्कार किया जाए या मदीना में ही सुपुर्दे खाक किया जाए।

अंत में बता दें कि अकीला बी के परिवार में इस घटना से शोक की लहर दौड़ गई है। उनके परिजनों और शुभचिंतकों ने इस दुखद घटना पर गहरा दुख व्यक्त किया है।

मां ने पेश की मानवता की अनोखी मिसाल

जवान बेटे की मौत के बाद युवाओं की मुफ्त में करवा रही हार्ट सर्जरी

नेशनल डेस्क. एक महिला बेहद परेशानी से गुजर रही थी, जिसके हार्ट के वॉल्व सिकुड़ गए थे और उसे इलाज के लिए पीजीआई में ऑपरेशन की तारीख एक साल बाद मिल रही थी। किसी तरह उसकी सास ने मेरा नंबर लिया और मुझसे संपर्क किया, जब मैंने उसे देखा तो पाया कि वह करीब 30 साल की एक युवती थी और उसका एक छोटा सा बेटा भी था। मैंने तुरंत उसकी सर्जरी के लिए प्रयास शुरू किए और उसी दिन उसकी सर्जरी की तारीख तय हुई, जिस दिन उसके बेटे का जन्मदिन भी था। सर्जरी के बाद वह ठीक होकर घर जा रही थी, तो मुझे ऐसा लगा जैसे मेरा बेटा किसी दूसरी दुनिया में मुस्कुराता हुआ नजर आ रहा हो। यह कहानी बिट्टू सफीना संधू बता रही थीं। उनके बेटे की कुछ साल पहले दिल की बीमारी के कारण मृत्यु हो गई थी।

अपने जवान बेटे के दुख से निढाल बिट्टू को कई महीनों तक यह समझ नहीं आया कि जीवन कैसे आगे बढ़ेगा। लेकिन कुछ समय बाद उन्होंने एक पहल शुरू की - नेवर से डाई। इस पहल के तहत वह 25 से 35 साल की उम्र के युवाओं के दिल के रोगों का मुफ्त इलाज करवाती हैं।

बिट्टू ने बताया कि मैंने अपना बेटा खो दिया, जिसका दुख कभी भी दिल से नहीं जाएगा, लेकिन अगर मैं किसी और का जीवन बचा सकूं, तो इससे बड़ा सौभाग्य और क्या हो सकता है। अब तक बिट्टू 14 युवाओं की हार्ट सर्जरी करवा चुकी हैं। हमारा उद्देश्य लोगों को जागरूक करना है ताकि वे गंभीर बीमारियों से पहले सचेत हो जाएं और समय पर इलाज करवाएं। हमारे प्रयास से किसी की जान बच सके। इससे बड़ी बात क्या हो सकती है।

बिट्टू ने आगे कहा- अपने बेटे के निधन से पहले अपनी बड़ी बहन रानी को ब्रेस्ट कैंसर के कारण खो दिया था। इसके बाद उन्होंने रानी ब्रेस्ट कैंसर ट्रस्ट की स्थापना की। इस ट्रस्ट के जरिए वे महिलाओं में ब्रेस्ट कैंसर के प्रति जागरूकता फैलाने और मैमोग्राफी टेस्ट जैसी सुविधाएं उपलब्ध करवाती हैं। फंड जुटाने के लिए उन्होंने कई मशहूर कलाकारों जैसे गुरदास मान, हरभजन मान, सतिंदर सरताज और नूरां सिस्टर्स को साथ जोड़ा और उनके द्वारा फंड रेजिंग कंसर्ट आयोजित किए। इसके अलावा वे अपने स्तर पर भी फंड जुटाकर इस नेक काम को जारी रखती हैं। यदि कोई हार्ट सर्जरी में मदद चाहता है, तो बिट्टू से संपर्क करने के लिए उनका फोन नंबर है - 9876333301।

ब्रिटेन में 10 हजार आयुर्वेदिक डॉक्टरों की होगी भर्ती

भारतीय डिग्री को मिलेगी मान्यता

ब्रिटेन में आयुर्वेदिक चिकित्सा पद्धति तेजी से लोकप्रिय हो रही है। ब्रिटेन की राष्ट्रीय स्वास्थ्य सेवा (एनएचएस) में आयुर्वेद को औपचारिक रूप से शामिल करने की प्रक्रिया शुरू हो चुकी है। ब्रिटेन की सर्वदलीय संसदीय समिति ने आयुर्वेद को एक प्रभावी और बेहतर चिकित्सा पद्धति मानते हुए इसे स्वास्थ्य सेवा में अपनाने की सिफारिश की है। इस पहल के तहत, अगले पांच वर्षों में ब्रिटेन में लगभग 10,000 आयुर्वेदिक डॉक्टरों की भर्ती की जाएगी। भारतीय आयुर्वेदिक डॉक्टरों के लिए यह एक बड़ा अवसर साबित हो सकता है। ब्रिटेन में आयुर्वेद आधारित सौंदर्य, शैक्षणिक और स्वास्थ्य सेवाओं के संस्थानों की संख्या भी अगले पांच वर्षों में 100 से बढ़कर 500 होने की उम्मीद है।

आयुर्वेदिक डॉक्टरों की भर्ती के लिए भारतीय डिग्री को मान्यता दी जाएगी, बशर्ते वह सरकार से मान्यता प्राप्त संस्थानों से ली गई हो। यह भारतीय छात्रों और डॉक्टरों के लिए एक बड़ी खुशखबरी है। ब्रिटेन में हर 10 में से 6 लोग जीवन में कम से कम एक बार आयुर्वेदिक उपचार का सहारा ले चुके हैं। आयुर्वेद सेंटर फॉर एक्सीलेंस की रिपोर्ट के अनुसार, पिछले एक साल में आयुर्वेद से जुड़े गूगल सर्च में 380त्न का इजाफा हुआ है। सबसे ज्यादा स्किन और हेयर केयर के लिए आयुर्वेदिक उपचार की खोज हुई है, जबकि पेट संबंधी बीमारियां तीसरे स्थान पर रहीं।

ब्रिटिश कॉलेज फॉर आयुर्वेद में दाखिला लेने वाले छात्रों की संख्या इस साल 70त्न तक बढ़ी है। इनमें ब्रिटिश छात्रों के बाद फ्रांस और जर्मनी के छात्र दूसरे और तीसरे स्थान पर हैं। ब्रिटेन में सरकारी क्षेत्र के साथ-साथ प्राइवेट सेक्टर भी आयुर्वेद को बढ़ावा देने में सक्रिय भूमिका निभा रहा है। आयुर्वेद के औपचारिक रूप से एनएचएस का हिस्सा बनने से इसे वैश्विक स्तर पर और मान्यता मिलने की संभावना है। यह कदम न केवल आयुर्वेदिक चिकित्सा पद्धति को वैश्विक स्तर पर स्थापित करेगा, बल्कि भारतीय डॉक्टरों और छात्रों को भी अंतरराष्ट्रीय अवसर प्रदान करेगा।

अदाणी समूह के प्रवक्ता के रूप में काम कर रहे भाजपा नेता, बिहार कांग्रेस अध्यक्ष अखिलेश सिंह का आरोप

पटना. बिहार कांग्रेस अध्यक्ष अखिलेश प्रसाद सिंह ने केंद्र में सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी के नेताओं पर अदाणी समूह के ''प्रवक्ता के रूप में काम करने का रविवार को आरोप लगाया, जिसपर अमेरिका में रिश्वतखोरी और धोखाधड़ी का आरोप लगाया गया है।

राज्यसभा सदस्य सिंह आरोपों की जांच के लिए संयुक्त संसदीय समिति (छ्वक्क्ष्) की मांग को लेकर दबाव डालने के लिए कांग्रेस की प्रदेश इकाई द्वारा आयोजित एक प्रदर्शन के मौके पर पत्रकारों से बात कर रहे थे। पूर्व केंद्रीय मंत्री सिंह ने कहा, ''लंबे समय से हमारे नेता राहुल गांधी गौतम अदाणी के अनैतिक कार्यों को उजागर कर रहे हैं। किसी ने ध्यान नहीं दिया। अब, अमेरिका में एक घोटाला सामने आया है, जिसने दुनिया भर में देश की प्रतिष्ठा को धूमिल किया है। उन्होंने आरोप लगाया कि उक्त उद्योग समूह को लेकर विवादों के बावजूद, केंद्र की नरेन्द्र मोदी सरकार ''उन्हें बचाने की कोशिश कर रही है... और मीडिया से बात करने वाले भाजपा के नेता अदाणी के प्रवक्ता के रूप में 'ओवरटाइम% काम करते प्रतीत होते हैं।

भ्रष्टाचार घोटाले की जांच के लिए किया जाए जेपीसी का गठन

बिहार कांग्रेस अध्यक्ष सिंह ने कहा, ''हम मांग करते हैं कि भ्रष्टाचार घोटाले की जांच के लिए जल्द से जल्द एक जेपीसी का गठन किया जाए। अदाणी और उनके साथ मिलीभगत करने वाले सरकारी अधिकारियों को गिरफ्तार किया जाना चाहिए। सिंह के साथ इस प्रदर्शन में बिहार विधानसभा में कांग्रेस विधायक दल के नेता शकील अहमद खान सहित पार्टी के कई सहयोगी शामिल हुए। कांग्रेस नेताओं ने इस अवसर पर पुतला फूंकने के साथ ही अदाणी और प्रधानमंत्री के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। अमेरिकी अभियोजकों ने अदाणी पर सौर ऊर्जा अनुबंधों के लिए अनुकूल शर्तों के बदले भारतीय अधिकारियों को लगभग 2,200 करोड़ रुपये की रिश्वत देने की एक व्यापक साजिश का कथित रूप से हिस्सा होने का आरोप लगाया है। अदाणी समूह ने आरोप से इनकार करते हुए कहा है कि अमेरिकी अभियोजकों द्वारा लगाए गए आरोप निराधार हैं और समूह सभी कानूनों का अनुपालन करता है।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक श्रीमती ज्योती मिश्रा द्वारा कॉम्पेक प्रिंटर्स प्रा. लि. फ्री प्रेस हाउस 3/54, प्रेस कॉम्पलेक्स, ए.बी. रोड, इंदौर से मुद्रित एवं 45ए गुप्ता चैम्बर पहली मंजिल जावरा कंपाउंड इंदौर, (म.प्र.) से प्रकाशित।
प्रधान सम्पादक : अशीष मिश्रा आर.एन.आई. पंजीयन क्रमांक : एमपी/एच/आइएन 2009/34385 फोन नं : 0731-4202569 फैक्स नं : 0731-4202569